डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 76 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 28 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

कौन पहनेगा बीजेपी जिलाध्यक्ष का ताज

चौहान, कियावत, दीक्षित, पाटीदार, डांगी, चन्दवानी, शुक्ला, आंजना, पालीवाल या आएगा नया नाम..?

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बीजेपी जिलाध्यक्ष के लिये रायशुमारी हो चुकी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्यमित्र भार्गव ने मंदसौर जिले के 63 में से 60 लोगो से उनकी मन की बात सुनी और लिफाफा बंद कर भोपाल भेज दिया हैं।

बता दे की कयामपुर मण्डल अध्यक्ष महेंद्र गौड़ बीमार होने और उनका मोबाइल बंद होने से उनकी मन की बात निर्वाचन अधिकारी नहीं सुन सके। जबकि, बूढा मण्डल अध्यक्ष सुनील शर्मा और मण्डल प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह राणा की मन की बात इसलिए नहीं सुनी गई कि उनके निर्वाचन का मामला अपील समिति में चला गया था। यह भी माना जा रहा था कि उन्हें हटाकर किसी और को मण्डल का दायित्व दिया जायेगा।

इधर सांसद सुधीर गुप्ता, पूर्व मंत्री कैलाश चावला सहित जो लोग रायशुमारी में नहीं पहुंच सके, उनसे निर्वाचन अधिकारी ने फोन पर चर्चा कर उनके मन की बात जानी। भरोसेमंद सूत्रों की माने तो कुल जमा अजयसिंह चौहान, अनिल कियावत, राजेश दीक्षित, धीरज पाटीदार, हिम्मत डांगी, नरेश चन्दवानी, हितेश शुक्ला, गणपत आंजना, राजेश पालीवाल का नाम प्रमुखता से आया है। इधर अनुसूचित जाती जनजाति कोटे के लिए सुषमा आर्य, शांतिलाल मालवीय के नाम भी आए है। हालांकि, बीजेपी में क्या होगा यह ऊपर बैठे लोगो के मन में पहले से तय हैं। इसलिए क्या होगा, यह आगामी दिनों में सामने आ जायेगा।

मनमोहन को सच्ची श्रद्धांजलि कैसे देंगे आज के कांग्रेसी..?

देश के प्रमुख अर्थशास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह इतिहास में दर्ज हो गए। ये एक ऐसा इतिहास है, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नेतृत्व में वित्तमंत्री के तौर पर मनमोहन सिंह ने देश की आर्थिक तरक्की की नींव रखी। नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह के उस एक कार्यकाल के बाद देश में कई सरकारें आईं-गईं। खुद मनमोहन सिंह दस साल लगातार देश के प्रधानमंत्री रहे। गठबंधन की सरकारें बनी। भाजपा की सरकार को एक पूरा दशक मिला। अब भी उसके नेतृत्व में गठबंधन सरकार है। लेकिन, मजाल है कि किसी ने मनमोहन सिंह की रखी नींव से छेड़छाड़ की हो। ये जरूर हुआ कि कुछ सही, कुछ गलत तरीके से उनकी बनाई नीतियां आगे बढ़ती रहीं। इसलिए देश इस अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री का हमेशा ऋणी रहेगा।

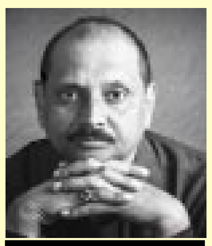

प्रकाश भटनागर

मगर फिर वो एक दिन याद आ रहा है। जब राहुल गांधी किसी के निधन के बाद शोक पुस्तिका में अपना शोक दर्ज कराने के लिए अपने मोबाइल फोन में दर्ज किसी संदेश का सहारा लेते दिखे थे। इस स्मृति का वर्तमान से यह साम्य कि आज तो पूरी कांग्रेस ही उस दिन वाले गांधी जैसी नजर आ रही है। 'पूरी कांग्रेस' या 'पूरे कांग्रेसी' इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि ये दल तो अब वही है, जो राहुल हैं और इस दल के होने की पूर्णता के लिहाज से भी गांधी की हां में हां मिलाना जरूरी ही है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन का समाचार सुनने के बाद यह सुनना बहुत जरूरी हो जाता है कि कांग्रेस अपने इस नेता को किस रूप में याद करेगी? 'याद रखना' कहना तो शायद ही संभव हो। डॉ. सिंह का नाम भले ही बहुत बड़ा हो। लेकिन, उनके उपनाम में 'नेहरू' या 'गांधी' नहीं था। बहरहाल, श्रद्धांजलि देना बहुत आसान है। मगर मनमोहन को याद करना तो कांग्रेस के लिए हाजमा बिगाड़ने जैसा मामला हो सकता है। यह पार्टी आज उन सभी आर्थिक सुधारों का विरोध करने पर पिल पड़ी है, जिनके पिलर यानी खंभे के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह की भूमिका को कोई भी नकार नहीं सकता।

राहुल गांधी से बहुत अधिक समझदारी की अपेक्षा करना बेमानी है। कांग्रेस में आज भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है, जो इस बात को जानते और मानते होंगे कि मोदी सरकार की आर्थिक और औद्योगिक नीतियों का विरोध करने का एक मतलब मनमोहन सिंह के देश के लिए अवदान पर मौन साध लेने जैसे अत्याचार से कम वाला विषय नहीं है। मोदी सरकार की इन नीतियों को लागू करने में कई चूक हो सकती है, मगर ये सब तो डा. मनमोहन सिंह भी करना चाहते ही थे। प्रधानमंत्री रहते हुए भी उन्हें नहीं करने दिया गया, ये अलग मसला है। इसलिए ऐसे लोग भला कैसे कुछ बोलेंगे? ये कांग्रेस (इंदिरा) नहीं बल्कि कांग्रेस (राहुल) वाला राहू काल झेल रही पार्टी का मामला है। इसलिए समझदारों की जमात भी इस पर चुप रहने में ही अपनी खैर मानेगी कि अडाणी, अम्बानी को लेकर मौजूदा केंद्र सरकार पर उनके नेता के हमले मूलत: मनमोहन सिंह की आत्मा पर प्रहार वाली बात ही है। पूंजीवादी देशों की बुरी दशा और अनिश्चय से भरी दिशा किसी से छिपी नहीं है। विकसित देश भी अर्थ वाली नीतियों के नाम पर अनर्थ के चलते तंगी और बेरोजगारी से बुरी तरह जूझ रहे हैं। मगर भारत का हिसाब अलग है। यह अलग तब शुरू हुआ, जब मनमोहन सिंह ने आर्थिक उदारीकरण की बात शुरू की। डॉ. सिंह की उदारीकरण की नीतियों ने देश को नई राह दिखाई। मगर अफसोस इस बात का कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार ने सिंह के सपनों को साकार होने का अवसर नहीं दिया।

अब जबकि मोदी सरकार आर्थिक और औद्योगिक सुधार के कार्यक्रमों को लेकर तेजी से आगे बढ़ चुकी है, तब उस गति की प्रगति को ध्यान से देखिए। उसमें कहीं न कहीं सिंह के कार्यक्रमों को उल्लेखनीय सुधार या कमियों के साथ अकल्पनीय स्वरूप प्रदान करने वाला तत्व शामिल है। जीएसटी मनमोहन सिंह का ही सपना था। वो लागू नहीं कर पाए। मगर मोदी ने कर दी। इसे लागू करने में कई कमियां हो सकती हैं। जीएसटी काउंसिंल में देश के तमाम राज्यों के वित्तमंत्री भी शामिल हैं, इसलिए वहां हो रही गड़बड़ियों में सभी की हिस्सेदारी है। मगर भाजपा का विरोध करना है और क्योंकि, नरेंद्र मोदी के हर काम को गलत ठहराना है। इसलिए कांग्रेस (राहुल) भेड़चाल पर चलते हुए अपने ही पूर्व प्रधानमंत्री की सोच का शोचनीय तरीके से विरोध करने पर पिल पड़ी है। वह यह देखकर भी देखना नहीं चाहती है कि उदारीकरण के चलते देश में विदेशी निवेश बढ़ने और स्थानीय उद्योगों को वैश्विक परिदृश्य पर हुनर दिखाने के सपने की नींव मनमोहन ने ही रखी थी। जिससे आज रोजगार में वृद्धि सहित देश की अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार का मार्ग प्रशस्त हो सका है।

अब भला जिनका सपना किसी भी तरह प्रधानमंत्री का पद पाना हो, उनके लिए अपने अर्थशास्त्री विद्वान नेता के सपनों की भला क्या हैसियत रह जाती है? इसीलिए देखिए कि सिंह को श्रद्धांजलि देते समय कांग्रेस उनके सुधार कार्यक्रमों का उल्लेख करने से भी बचने की मुद्रा में ही बात रख पा रही है। राहुल गांधी अपनी श्रद्धांजलि में जब सिंह की आर्थिक समझ की तारीफ करते हैं, तब वह इसका खुलासा करने से पीछे होते भी नजर आते हैं। जाहिर है कि उन्हें इस विषय की गहराई में जाने पर अतीत के तार आज से जुड़ने का खौफ सता रहा है। इसलिए निश्चित ही एक बार फिर कोई ऐसा संदेश किसी जगह से चला होगा, जिस पर यह गाइडलाइन होगी कि आज की कांग्रेस को कल वाले मनमोहन सिंह के लिए क्या लिखना है। इसमें भी खास जोर इस बात पर होगा कि उनके बारे में क्या नहीं लिखा जाना है। आखिर ये आज की कांग्रेस है। ये राहुल गांधी की कांग्रेस है। मल्लिकार्जुन खड़गे तो वैसे ही हैं, जैसे प्रधानमंत्री रहते हुए डॉ. मनमोहन सिंह कर दिए गए थे।

स्वच्छता सर्वेक्षण: स्कूल बनेंगे टॉप टेन की राह में रोड़ा

कहीं पानी की समस्या तो कहीं शौचालय नहीं, 30 अंकों का स्कूली पेपर होगा कठिन

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। साल 2025 के लिए जिले में स्वच्छता सर्वेक्षण सर्वे की तैयारी शुरू हो गई है। जनवरी के पहले सप्ताह में सर्वे टीम के आने की संभावना है। पिछले साल की बात करें तो स्वच्छता सर्वेक्षण में मंदसौर काफी पिछड़ा था। इस बार जिम्मेदारों ने साफ सफाई के लिए अत्याधुनिक संसाधनों की खरीदी के साथ योजना तो तैयार की है। लेकिन, यहां के स्कूल अधिकारियों की मेहनत पर पानी फेर सकते हैं। इसका कारण है इस बार स्वच्छ भारत अभियान की थीम में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को शामिल किया है। सर्वे टीम अब स्कूलो में बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल, साफ टॉयलेट, ओडीएफ के साथ साफ सफाई आदि स्वच्छता से जुड़े बिंदुओं का आकलन करेगी। स्कूलों से निकलने वाले गीले कचरे की खाद बनाने के लिए परिसर में कंपोस्ट पिट बनाने, साफ-सफाई, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग टॉयलेट की उपलब्धता आदि होने पर ही 30 अंक मिलेंगे, अन्यथा नहीं। अब बात करें सरकारी स्कूलों की तो कहीं पानी की समस्या तो कहीं शौचालय तो कहीं स्कूलों के आसपास पसरने वाली गंदगी स्वच्छता की दौड़ में टॉप 10 की राह को मुश्किल बनाएगी। कहीं न कहीं यह 30 नंबर का स्कूली पेपर कठिन होगा।

सरकारी स्कूलों, शहर के कुछ कॉलोनियों व मुख्य मागों पर कचरा व गंदगी पड़ी है। सार्वजनिक स्थलों पर सुविधायुक्त शौचालय की व्यवस्था तक नहीं है। इन तमाम कमियों के चलते स्वच्छता सर्वेक्षण में मंदसौर की रैंकिंग पिछड़ सकती है। फिलहाल कमियों को दूर करने के लिए नगर पालिका की कोई कार्य योजना धरातल पर नहीं नजर नहीं आ रही है। दरअसल, पिछले साल स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में मंदसौर का प्रदेश में 9वां स्थान था। इसके पहले भी जारी हुई रैंकिंग में मंदसौर टॉप-10 में था। यदि इस बार भी नपा ने रैंकिंग में सुधार के लिए कोई पहल नहीं की तो 2025 की रैंकिंग में मंदसौर फिर टॉप-10 में जगह बनाने से पिछड़ जाएगा। इधर, इस साल से स्वच्छता सर्वेक्षण में स्कूलों के अंक जुड़ने की सूचना मिलते ही 'गुरु एक्सप्रेस' की टीम ने शहर के विभिन्न स्कूलों में पहुंचकर स्थिति देखी तो हकीकत का पता चला। बालागंज स्कूल परिसर में लगने वाले स्कूलों की स्थिति सबसे ज्यादा दयनीय नजर आई। थोड़ी सी बारिश में यहां कीचड़ जमा हो गया। इसके अलावा नूतन स्कूल, हायर सेकेंडीरी स्कूल, महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के आसपास खाने पीने के ठेले लगे हुए है। जिसके कारण यहां सफाई व्यवस्था को बनाए रखना मुश्किल होता है। कई जगहों पर शौचालय व पेयजल आदि की भी सुविधायुक्त व्यवस्था भी नहीं है। इधर उधर से जुगाड़ कर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करना मजबूरी है। वहीं शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं होने से भी साफ सफाई नहीं हो पा रही।

शहरवासियों से लेंगे फीडबेक...

जानकारी के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण का कार्य चार चरणों में पूरा होगा। सर्वे टीम करीब 12 बार ऑनलाइन वेलिडेशन (आम जनता से फीडबैंक) लेगी। दूसरे चरण में शहर की कॉलोनी और बस्तियों में साफ-सफाई की स्थिति और आखिरी सर्वे में फील्ड असेसमेंट ऑफ ऑल इंडिकेटर की प्रक्रिया पूरी होगी। सर्वे के दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम), सार्वजनिक सांह और परिवहन के साथ बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) शामिल किया जाता है। स्वच्छता सर्वेक्षण के कुल अंक 9500 निर्धारित है। जिसमें अलग-अलग कैटेगरी के लिए अलग अंक निर्धारित है। इसमें अब स्कूलों की स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति पर 30 अंक मिलेंगे।

पिछले साल पिछड़ गया था मंदसौर...

स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 की बात करें तो मंदसौर नगर पालिका पिछड़ गई थी। एक लाख तक की आबादी वाले शहरों मंदसौर नगर पालिका को देश में 51वां और प्रदेश में 15वां स्थान मिला था। जबकि, इसके पहले 2022 में देश में 32वां और प्रदेश में 9वां स्थान मिला था। 2021 की स्वच्छता रेटिंग में मंदसौर नगर पालिका देश में 63वें और प्रदेश में 7वें स्थान पर थी। पिछले साल तो प्रदेश के टॉप 10 की लिस्ट से भी मंदसौर नगर पालिका बाहर हो गई थी। जबकि, बीते वर्षों से सबक लेकर आगे बढ़ना था। लेकिन देश में 19 पायदान गिरकर 51वे नंबर पर पहुंच गया था। प्रदेश में भी 6 पायदान की गिरावट हुई थी। अब भी स्वच्छ शहर बनाने के लिए जो जरुरी हो, वह सब किया जाना चाहिए।

खड़ी फसल पर चली जेसीबी

नाले की सरकारी जमीन पर किए अवैध अतिक्रमण को प्रशासन ने हटाया

मनासा, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के ग्राम बरथुन में शुक्रवार दोपहर प्रशासन की टीम ने सरकारी भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया।

जानकारी के अनुसार यहां नाले की सरकारी भूमि पर गांव के ही देवीसिंह नामक व्यक्ति की ओर से करीब एक बीघा जमीन पर अतिक्रमण कर खेती की जा रही थी। जिसकी शिकायत गांव के ही अतिक्रमणकर्ता के ही रिश्तेदार ने सीएम हेल्पलाइन पर की थी। इस पर शुक्रवार को प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध अतिक्रमण पर जेसीबी चलाकर कार्रवाई की है।

दरअसल देवी सिंह उक्त शासकीय भूमि पर विगत कई वर्षों से अतिक्रमण कर खेती कर रहा था। वहीं वर्तमान में भी गेंहू की फसल खेत में लगा रखी थी। जिसे शुक्रवार को बुलडोजर से उखाड़ दिया गया। इस संबंध में अतिक्रमणकर्ता को नोटिस भी दिया गया था और उसके बाद शुक्रवार को दोनों पक्षों की सहमति और मौजूदगी में कार्रवाई की गई। इसके साथ शिकायतकर्ता की भी इसी खसरा नंबर पर किए गए करीब आधा बीघा अतिक्रमण को भी हटाया गया। अवैध अतिक्रमण को हटाने की इस कार्रवाई के दौरान ग्राम पटवारी, पंचायत सचिव सहित स्थानीय अमला मौजूद रहा।

लूट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने दबोचा

व्यापारी को निशाना बनाकर ले गए थे नगदी और सोने की चेन

नाहरगढ़, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के रूपणी चौपाटी के पास हुई लूट की वारदात के मामले में पुलिस ने तीन बदमाशो को दबोचा है। व्यापारी की आंखों में मिर्ची डालकर बदमाश 40 हजार रूपए नगदी और सोने की चेन लूट कर ले गए थे।

पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने बताया कि बीती 08 दिसंबर को आदित्य कुमार पिता कृष्ण वल्लभ मोदी निवासी कयामपुर अपने संस्थान को मंगल कर रूपणी चौपाटी के पास से गुजर रहा था। इसी दौरान शाम करीब 7:30 बजे बदमाशों ने व्यापारी की आंखों में मिर्ची डाली और 40 हजार रूपए नगदी और सोने की चेन का टुकड़ा लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले में आरोपियों की तलाश शुरू की। मुखबीर सूचना के आधार पर आरोपी नितेश पिता दशरथ जाट उम्र 22 साल निवासी बेटीखेडी थाना नाहरगढ, जसवंत पिता मांगीलाल जाति सूर्यवंशी उम्र 24 साल निवासी बेटीखेडी थाना नाहरगढ और सुनिल पिता शंकरलाल जाति मालवीय उम्र 23 साल निवासी देवाखेडा थाना नाहरगढ को गिरफ्तार कर उक्त प्रकरण मे लुटा गया मश्रुका बरामद किया गया।

बोरे में मिला महिला का शव, फैली सनसनी....

दलौदा, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भावगढ थाना क्षेत्र के ग्राम ताजखेड़ी ओर मजेसरा गांव के बीच मेन रोड से 400 फ़ीट अंदर कच्चे रास्ते पर एक बोरी में महिला का शव मिला। यह जानकारी जैसे ही ग्रामीणों में सनसनी फैल गई।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम करीब 8 बजे सड़क से गुजर रहे किसी राहगीर को एक पैक बोरा दिखा, जो कि बहुत बदबू मार रहा था। राहगीर ने तत्काल क्षेत्र के जनप्रतिनिधि को सूचना दी। जनप्रतिनिधि ने थाने पर जानकारी दी। जिस पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और थाना पुलिस ने बोरी को खोला तो उसमें महिला का शव दिखा। महिला ने कान में बाली पहन रखी थी। मामले में विस्तृत जानकारी के लिए भावगढ टीआई को कॉल किया, लेकिन उनका मोबाइल नो रिप्लाय हुआ।

अंचल में अनेक स्थानों पर बारिश के साथ ओले गिरे, कहीं-कहीं बूंदाबांदी

दिनभर छाए रहे बादल, मंडी में किसानों की उपज भीगी

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मौसम विभाग ने 27 दिसंबर शुक्रवार को बारिश की आशंका जताई थी। उसी अनुरुप शुक्रवार दोपहर में कहीं तेज तो कहीं बूंदाबांदी के रूप में बारिश हुई। अंचल में कई जगहों पर बारिश का दौर चला। शहर सहित अनेक स्थानो पर छोटे-छोटे ओले भी गिरे। मंदसौर में बारिश के चलते कृषि उपज मंडी में किसानों की लहसुन सहित अन्य उपज भीग गई। दिनभर बादल छाए रहे। जिसके कारण तापमान में गिरावट आई। ठंडी हवाओं का दौर भी जारी रहा।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन प्रदेश में मौसम बदला रहेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। वहीं, हवा का असर भी है। अगले 2 दिन इस सिस्टम का असर रहेगा। 29 दिसंबर को सिस्टम का असर कम हो जाएगा। फिर टेम्प्रेचर में गिरावट होगी। वहीं, कोहरा भी छाएगा।

आज पूरे प्रदेश में असर रहेगा...

मौसम विभाग के अनुसार, आंधी, बारिश और ओले का स्ट्रॉन्ग सिस्टम रहेगा। पूरे प्रदेश में ही मौसम बदला रहेगा। रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, सागर, पांढुर्णा और बड़वानी में बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। यहां 40 से 50 किमी प्रति

घंटे तक हवा चलेगी। यहां ऑरेंज अलर्ट है। अन्य जिलों में कहीं बारिश तो कहीं गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। सिस्टम के गुजरने के बाद प्रदेश में कोहरे और ठंड का असर बढ़ जाएगा। यानी, नए साल पर लोगों को कड़ाके की ठंड के दौर से गुजरना पड़ सकता है। इसके बाद पूरे एक महीने तक कड़ाके की ठंड पड़ने का अनुमान है।

स्मृति बैंक

स्मृति नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित

स्मृति नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, मंदसौर

13 -14, तिरूपति नगर स्टेशन रोड, मन्दसौर (म. प्र.) 458001
टेलीफोन नं-07422-241104, 405622

क्र. 3051 दिनांक 23.12.2024

*** सूचना-पत्र ***

बैंक के समस्त अंशधारियों को सूचित किया जाता है कि बैंक की विशेष साधारण सभा दिनांक 14 जनवरी 2025, मंगलवार को सायं 4.00 बजे मंदसौर विश्व विद्यालय परिसर रेवास देवड़ा रोड, बॉय पास मन्दसौर(म.प्र) पर आयोजित की गई, जिसमें निम्न विषयों पर विचार किया जाना है।

अत: विशेष साधारण सभा में आपकी उपस्थिति निवेदित है। नियत समय पर गणपूर्ति नहीं होने पर आधा घण्टा प्रतिक्षा के उपरांत इसी स्थान पर बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की जावेगी।

विषय सूची

1. स्मृति नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, मंदसौर के साथ सद्भाव नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित छतरपुर(म.प्र) एवं दिकोणार्क अर्बन को-आपरेटिव्ह बैंक, उल्लास नगर (महाराष्ट्र) का विलयन करने के संबंध में।

2. अन्य विषय - अध्यक्ष महोदय की अनुमति से

सुनील पंजवानी
मुख्य कार्यपालनअधिकारी

विचार-मंथन

विद्यार्थी को प्राथमिक शिक्षा से नहीं किया जाएगा बाहर

विद्यार्थियों के सीखने का मूल्यांकन कैसे हो, इस पर दुनिया भर में विचार-विमर्श और प्रयोग होते रहे हैं। हर जगह यह स्वीकार कर लिया गया है कि लिखित परीक्षा ही मूल्यांकन का सबसे व्यावहारिक और कारगर तरीका है। मगर भारत जैसे देश में, जहां बहुत सारे बच्चे समाज के निचले तबके से पढ़ने आते हैं, उनके घर में पढ़ाई-लिखाई का उचित वातावरण नहीं है। उनमें से बहुत सारे बच्चों को स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ घर के काम या माता-पिता के काम में हाथ भी बंटाना पड़ता है, लिखित परीक्षा में ऐसे बहुत सारे विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हो जाते हैं। अनेक बच्चे इसीलिए स्कूल नहीं जाते या बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं कि उन्हें परीक्षा का भय सताता है। इसलिए तय किया गया कि पांचवीं तक किसी भी बच्चे को अनुत्तीर्ण नहीं किया जाएगा। उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया जाएगा। आठवीं तक उनका मूल्यांकन केवल पाठ्यपुस्तकों में दिए पाठों के आधार पर नहीं, बल्कि उनके समग्र व्यक्तित्व विकास, जैसे स्कूल में उनके आचरण, खेल-कूद, संगीत, कला आदि में उनकी रुचियों के आधार पर भी किया जाएगा। इस तरह बच्चे अगली कक्षा में आसानी से प्रोन्नत तो होने लगे, मगर सीखने की उनकी क्षमता में गिरावट दर्ज होनी शुरू हो गई। इसी के मद्देनजर अब केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि पांचवीं और आठवीं कक्षा में किसी भी विद्यार्थी को फेल न करने की नीति को वापस लिया जाए। अब इन कक्षाओं में अगर विद्यार्थी लिखित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करते, तो उन्हें दुबारा परीक्षा देनी होगी। उसके बाद भी वे उत्तीर्ण नहीं होते, तो उसी कक्षा में बैठना पड़ेगा। इस फैसले से निस्संदेह विद्यार्थियों, अभिभावकों और अध्यापकों पर पढ़ाई-लिखाई को लेकर सतर्क रहने का दबाव बनेगा। देश में पढ़ाई-लिखाई के स्तर को मापने के लिए हर वर्ष निजी और सरकारी स्तर पर सर्वेक्षण किए जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन सर्वेक्षणों में बहुत निराशाजनक परिणाम नजर आए। आठवीं कक्षा के विद्यार्थी पांचवीं-छठवीं कक्षा की पुस्तकें पढ़ने, उस स्तर का गणित हल कर पाने में भी अक्षम पाए गए। इस तरह शिक्षा का मकसद ही हाशिये पर चला जाता है। इसी का नतीजा है कि आगे दसवीं और बारहवीं बोर्ड की परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर नकल की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसे रोकने का यही तरीका हो सकता था कि शुरू से ही बच्चों में पढ़ाई-लिखाई के प्रति गंभीरता पैदा की जाए, उनके मूल्यांकन में कड़ाई लाई जाए। हालांकि सरकार ने नए नीतिगत फैसले में यह भी कहा है कि मूल्यांकन के आधार पर किसी भी विद्यार्थी को प्राथमिक शिक्षा से बाहर नहीं किया जाएगा। उन्हें अपना प्रदर्शन बेहतर करने का मौका उपलब्ध कराया जाएगा। मगर इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि नई व्यवस्था से प्राथमिक स्तर पर ही बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज हो सकती है। शिक्षा का अधिकार कानून के तहत चौदह वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा देना सरकार की सांविधानिक बाध्यता है। अगर बच्चे बीच में पढ़ाई छोड़ेंगे, तो यह उद्देश्य पूरा हो पाना मुश्किल बना रहेगा। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि न केवल परीक्षा में बदलाव करके जिम्मेदारी पूरी समझ ली जाए, बल्कि स्कूलों और अध्यापकों को भी बच्चों में सीखने का कौशल विकसित करने के लिए जवाबदेह बनाया जाए।

पार्टी की घोषणा के बिना ही मैदान में नेताजी

अनिल चतुर्वेदी

दिल्ली में सरकार किसकी बनती है और कौन बनता है दिल्ली का सीएम यह तो बाद की बातें हैं लेकिन सच तो यह भी है कि कांग्रेस या भाजपा में नेता इस मक़सद से तो टिकट की मांग भी नहीं कर रहे और न ही हिम्मत जुटा पा रहे हैं पर हाँ यह जरूर है कि पब्लिसिटी और नंबर बनाने या फिर रुतबे के लिए पार्टियों के नेता केजरीवाल के रहते खुद को उनके सामने लाना चाह रहे हैं। नई दिल्ली से जीतने वाला नेता अक्सर सीएम का दावेदार रहा है सो आप पार्टी से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इस विधानसभा से मैदान आ चुके हैं ,कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप को अपना उम्मीदवार बना चुकी है रही बात भाजपा की सो अभी उम्मीदवार तय नहीं है। दिसंबर के आखिर में उम्मीदवार तय किए जाने की उम्मीद है। यह अलग बात है कि पार्टी ने यहाँ से उम्मीदवारी को लेकर कई बार रणनीति बनाई पर नतीजा कुछ नहीं निकला। अब जो सबसे ज्यादा दावेदारी कर रहे हैं वे हैं पूर्व मुख्यमंत्री स्व- साहिब सिंह वर्मा के बेटे और पूर्व सांसद प्रवेश साहिब सिंह। नेताजी बाहरी दिल्ली से सांसद रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में जिन छह सांसदों के टिकट पार्टी ने काटे थे प्रवेश उनमें से एक हैं। अब पार्टी ने भले प्रवेश के नाम की घोषणा यहाँ से चुनाव लड़ने के लिए नहीं की हो पर नेताजी ने इस विधानसभा की दीवारों को अपने नाम और यहाँ से लड़ने का संकेत देकर पाट दिया है। यही नहीं सोशल मीडिया और अखबारों में भी इसी तरह की पिछले दिनों खबरें भी छपीं हैं। बाहरी दिल्ली से ही लोकसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवार को समर्थन देने को लेकर भी अपने ये नेताजी सुर्ख़ियों में रहे थे। और तो और पिछले दिनों कार्यकर्ताओं की मीटिंग में भी कुछ ऐसे ही संकेत दिए गए कि मानो वे नई दिल्ली से पार्टी उम्मीदवार है और सीएम के दावेदार हों। साथी नेताओं ने तो इस मीटिंग में यहाँ तक कह भी डाला कि उन्हें इन नेताजी को जिताना है पर शायद भाजपा की जमीन पर अभी ऐसा कुछ भी नहीं बताया जा रहा है। कि नेताजी उम्मीद हैं भी या नहीं ।या यह मानिए कि अभी सिर्फ़ ख्याली पुलाव वाली बात। यह जरूर है कि नेताजी ने इस मीटिंग में खान-पान की व्यवस्था जरूर की थी और नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज इसमें मौजूद थीं।अब भला नेताजी अपने संसदीय क्षेत्र की दस विधानसभाओं में किसी एक से लड़कर बाहर की नई दिल्ली से लड़ने की इच्छा क्यूं जता रहे हैं भाजपा ही नहीं बाक़ी राजनीतिक दलों में भी यह चर्चा का सवाल बना हुआ है। यूँ नेताजी जाट बिरादरी से ताल्लुक़ रखते हैं पर नई दिल्ली विधानसभा में जाट वोटों की संख्या न के समान मानिए। यहाँ वाल्मीकि,धोबी ,वैश्य दलित, उत्तराखंड के और पंजाबी आदि वोटर तो हैं पर जाट या मुस्लिम वोटरों की संख्या तो बेहद कम है। ऐसे में अपने ये नेताजी किसके दम पर चुनाव का दम भर रहे हैं यह तो राम जाने पर हाँ अगर आकाओं का फ़ैसला साम दाम दंड भेद से जीतने

का ही होगा तो बाक़ी तो सभी कुछ नगण्य ही होना है। यह बात दूसरी है कि खुद भाजपा के नेता भी अपने बूते 70 में से 20 से 25 सीटें जीत पाने के दम के साथ केजरीवाल की सरकार एक बार बनते देख रहे हैं। दिल्ली में सरकार किसकी बनती है यह भले इंतजार की बात हो लेकिन सरकार बनाने की कोशिश में तो फिलाहल भाजपा से कहीं आगे हैं। आप और भाजपा के ख़िलाफ़ तक़रीबन 60 जगहों पर प्रदर्शन और दिल्ली न्याय यात्रा निकाल कर कांग्रेस ने वोटरों के दिलों में कहीं न कहीं जगह जरूर बनाई है। या यूँ कहिए कि अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव चुनावी तैयारी में कहीं आगे निकल चुके हैं। विधानसभा की 70 सीटों के लिए अब तक 21 सीटों के उम्मीदवार तय किए जा चुके हैं और दिसंबर के आख़िरी दिनों में बाक़ी विधानसभाओं के उम्मीदवार तय कर दिए जाने हैं। यह अलग बात है कि आप पार्टी अपनी तैयारी को लेकर कांग्रेस और भाजपा को चुनौती दिए हुए हैं पर यह भी जरूर है कि कांग्रेस दिल्ली की सत्ता में वापिसी के लिए हर कोशिश में लगी है। दिल्ली में केजरीवाल सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के साथ ही अड़ानी मामले को लेकर कांग्रेस अब हर रोज सड़कों पर अपनी आवाज़ बुलंद करती दिख रही है। कांग्रेस नेताओं की मानो तो वह अपनी चुनावी तैयारी या दोनों सरकारों के ख़िलाफ़ आवाज उठा यह बता देना चाहती है कि वह बाक़ी दोनों पार्टियों से कहीं कमतर नहीं है और पूरी मुस्तैदी के साथ दिल्ली जीतने के लिए चुनावी मैदान में उतरेगी। अब भले भाजपा क़रीब तीन दशक का अपना वनवास खत्म कर दिल्ली जीतने को बेताब हो पर फिलाहल तो वह आप ही नहीं बल्कि कांग्रेस से भी चुनावी तैयारी में पीछे है। कांग्रेस अगर 21 उम्मीदवार तय कर चुकी है तो आप के 31उम्मीदवार तय किए सजा चुके हैं। दिल्ली की गलियों और चौबारों तक आप के नेता संपर्क किए हुए हैं। महिला सम्मान योजना के तहत आप महिलाओं को हर महीने 2100 रूपये देने का भरोसा देकर अपना वोट बैंक तैयार करने में लगी है। मुफ्त बिजली पानी ,बसों में मुफ्त महिलाओं को यात्रा की सुविधा और अब 2100 रूपये की सौगात देकर वह भाजपा और कांग्रेस की आँखों की किरकिरी बनी हुई है। पर शहर में आप की चर्चा भी है। अब भाजपा के इरादे क्या हों यह दूसरी बात है पर दूसरे राज्यों में सबसे पहले उम्मीदवार तय करने वाली भाजपा दिल्ली में तो पिछड़ी दिख रही है। चर्चा तो यह भी है कि भाजपा की इस देरी के लिए कहीं न कहीं प्रदेश संगठन में बदलाव की खबर भी चल निकली है। कहा तो जा रहा कि विधानसभा चुनाव एक बड़ा चुनाव है और खास कर इस बार का सो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को बदल कर कोई बड़ा चेहरा सामने लाकर भी चुनावी मैदान में उतर सकती है। लेकिन वो कौन? बस इसी का इंतजार है। यूँ नेताओं को भले मंदिर जाने की फ़ुरसत न होती हो पर चुनावों में उन्हें न सिर्फ़ मंदिर जाना याद रहता है बल्कि वे पंडित ,ज्योतिषियों और मौलवियों की गणेश परिक्रमा से भी दूरी नहीं रख पाते हैं। या यूँ कहिए कि जीत के लिए ये कोई भी जतन करने को तैयार रहते हैं। फिर आप पार्टी के एक बड़े नेता कैसे चूकते आख़िर इस बार सत्ता को लेकर भाजपा से आप-पार लड़ाई जो हैं। पर हाँ नेताजी मंदिर जाएं और किसी आम आदमी की आँखें नेताजी से दो-चार हो जाएं तो नेताजी का थोड़ा असहज होना भी लाज़मी ही है ।ऐसा ही हुआ अपने आप पार्टी नेताजी का। नेताजी मंदिर पहुँचे पंडित जी से मिले ,गपशप हुई और बात आगे चली तो तो नेताज ने पंडित जी से चुनाव जीतने के लिए आशीर्वाद तो माँगा ही साथ ही विद्या भी । आखिर क्या जतन किया और क्या नहीं इसमें घंटा गुजर गया। अब भला ज्योतिषी ने क्या कहा और क्या नहीं यह तोसुनना मुश्किल ही था पर यह जरूर सुना गया कि एक तो पुराने विधायकों में बदलाव किया और दूसरे चुनाव चिन्ह या नहीं झाड़ू का रंग भी।

शौक बन रही मौत की वजह, सेल्फी लेना हो गया जानलेवा

नरेंद्र भारती

मनुष्य के जीवन को थोड़ा सुविधाजनक बनाने वाले तकनीकी यंत्रों ने आज लोगों की सोच को कैसे अपने नियंत्रण में ले लिया है, इसके उदाहरण हमें अपने आसपास बिखरे दिख जाएंगे। तकनीक से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाना बिल्कुल उचित है, लेकिन अपने जीवन और गतिविधियों को इसी से संचालित और इसी पर निर्भर बना लेना एक तरह से अपने ही जीवन से खिलवाड़ करना है। यों आधुनिक तकनीकी संसाधनों के लगातार हावी होते जाने का दायरा बहुत बड़ा है, लेकिन सिर्फ एक पहलू के रूप में स्मार्टफोन से सेल्फी लेने को ही विचार के केंद्र में रखा जाए तो इसके तमाम खमियाजे सामने आ रहे हैं। समूचे देश से पर्यटकों के सेल्फी लेते समय असमय ही काल के गाल में समाने की अक्सर आने वाली खबरें आम होती जा रही हैं। समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि उनसे सबक न सीखना लोगों की आदत बन गई है। कभी रेल से लटकते हुए तो कभी पटरियों पर या कभी तेज धार के साथ बहते पानी में सेल्फी ली जाती है। पहाड़ों में बहती नदी के बीच चट्टानों पर खड़े होकर भी तस्वीर उतारी जाती है, जबकि वहां कभी भी तेज रफ्तार से पानी आने का खतरा बना रहता है। पहाड़ियों पर चढ़ कर सेल्फी लेते हुए किसी के पांव फिसल जाते हैं और कई बार वह जानलेवा साबित होता है। यह खतरनाक प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश के लाहौल में घूमने आए राजस्थान का एक पर्यटक कोक्सर में फुम्माण नाला के पास सेल्फी लेते समय पैर फिसलने के बाद चंद्रा नदी में गिर गया और उसकी जान चली गई। उसके साथ तीन अन्य लोग हिमाचल में घूमने आए थे। इससे पहले हुई एक घटना में गुरुग्राम में भी सेल्फी लेते समय चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। वे चलती रेलगाड़ी के सामने सेल्फी लेना चाहते थे कि बेमौत मारे गए। देश भर में इस तरह के हादसे लगातार हो रहे हैं। जरा-सी असावधानी से सेल्फी लेने का शौक घातक सिद्ध हो रहा है। ऐसे दर्दनाक हादसों से किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की आत्मा सिहर उठती है तो यह स्वाभाविक ही है, क्योंकि यह सवाल उन्हें मथता है कि कुछ लोग जान-बूझकर मौत के आगोश में क्यों समा जाते रहे हैं! यह जानते हुए भी वे इतना जोखिम क्यों मोल लेते हैं कि छोटी-सी चूक उनकी जान ले सकती है? महज इस तरह तस्वीर उतारने के शौक की वजह से एक समूचा परिवार तबाह हो जाता है। इस तरह की घटनाएं जहां होती है, वहां कुछ लोग इसके गवाह बनते हैं। उनके लिए यह आंखों देखी त्रासदी से सबक लेने का मामला है। मगर इससे संबंधित छपने वाली खबरें भी अगर लोग ठीक से पढ़ें तो घटना को सचित्र रूप में महसूस कर सकते हैं और इससे सबक ले सकते हैं। इस जानलेवा शौक की त्रासदी न ही हो तो अच्छा है, लेकिन अगर इससे संबंधित खबर कहीं दिखती है, तो यह समाज के लिए एक प्रशिक्षण का सवाल होना चाहिए कि आखिर किसी व्यक्ति की नाहक जान गई है तो इसकी जड़ में क्या है, इसके लिए किसकी जिम्मेदारी है और इसके बाद उसे ऐसे मामले पर क्या सोचना और करना चाहिए। विडंबना यह है कि लोग ऐसी घटनाओं या इससे संबंधित खबरों को इस कदर निरपेक्ष तरीके से पढ़ते हैं और उपेक्षा कर देते हैं, मानो इसका उनके जीवन से कोई ताल्लुक न हो। मगर अफसोस यह है कि जब ऐसा हादसा खुद उनके साथ या उनके किसी परिजन के साथ होता है, तब उन्हें मजबूरन इसकी मारकता का अंदाजा होता है। हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। यह समझना मुश्किल है कि आज के युवा सेल्फी लेते समय इतने विवेकशून्य कैसे हो जाते हैं कि वे खुद ही अपनी जान जोखिम में डाल लेते हैं और कई बार असमय ही बेमौत मारे जाते हैं। सही है कि लोगों को अपने स्तर पर इसके खमियाजे को महसूस करके इससे बचना चाहिए, लेकिन अगर यह प्रवृत्ति बेलगाम होती जा रही है, तो जरूरत है कि अब सरकार इसका संज्ञान ले और खतरनाक जगहों पर तस्वीर या सेल्फी लेने को लेकर एक सख्त नियम-कायदा बनाए। विडंबना यह है कि किसी पर्यटक स्थल पर सेल्फी लेने की वजह से किसी की जान जाने की घटना हो जाती है और वह किसी वजह से तूल पकड़ लेती है, तब जाकर स्थानीय प्रशासन की नींद खुलती है और वह राहत या अन्य उपाय करने की बात करता है। सवाल है कि यह एक नियमित व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए।

किसानों कि बुलंद आवाज़ थे चौधरी चरण सिंह

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। उन्होंने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये है। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें है। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होंने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5460

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5459

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5460

संकेत: बाएं से दाएं
1. 27 दिसंबर 1949 को बीजिंग शहर को इस देश की नई राजधानी चुना गया (2)
4. जिंदगी, पुरानी फिल्मों के दिवंगत खल एवं चरित्र अभिनेता (3)
6. कामयाब न होना, असफल होना (6)
9. पश्चिम के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 900 किमी.दूर जिसका [illegible] पर स्थित देश फिलीपीन्स की यह राजधानी है (3)
10. जो, अगर (2)
11. अंतःकरण, हृदय, चित्त (2)
12. अध्ययन करने की क्रिया को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
15. बाल, मरोड़, ऐंठ, बल (3)
16. चकवा पक्षी को यह भी कहा जाता है (4)
18. धनागम, इनकम, आमदनी (2)
19. यह अरब राज्य 15 अगस्त 1971 को स्वाधीन हुआ था (4)
20. अधीनता, मातहती, अधिकार, वश (3)

ऊपर से नीचे
1. मुख्यमंत्री को अंग्रेजी में यह कहते है (6)
2. श्रीराम की सेना का एक शिल्पकार वानर, जल प्राप्ति का कृत्रिम स्त्रोत (2)
3. आकाशीय विद्युत, बिजली, तड़ित (3)
4. जीवित रहना, सजीव रहना (2)
5. इस फिल्म में संजीव कुमार ने नौ भूमिकाएं निभाई थी (8)
7. लवण, नोन, खारे जल से तैयार किया गया क्षार पदार्थ (3)
8. माथा, मस्तक, भाल (3)
10. हिंदी साहित्य में एक अलंकार जिसमें एक ही शब्द बार-बार आकर भिन्न-भिन्न अर्थ देता है (3)
13. किसी महाविद्यालय का प्रमुख, प्रिंसिपल, किसी विश्वविद्यालय में संकायाध्यक्ष (2)
14. नायक, किसी नाटक फिल्म का प्रमुख पात्र (2)
15. उपालंभ, शिकवा (4)
17. उपस्थिति, हाजिर होने का भाव (3)

वर्ग पहेली 5459 का हल

सांवरिया सेठ के दर्शन करने 30 पदयात्रियों का जत्था मंदसौर से रवाना

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी से करीब 130 किलोमीटर दूर सांवरिया सेठ के दर्शन करने 30 पदयात्रियों का जत्था शुक्रवार को मंदसौर रवाना हुआ। 4 दिवसीय यात्रा कर श्रद्धालु 30 दिसम्बर को सांवरियाजी पहुंचकर भगवान के दर्शन कर सभी के सुख-शांति व समृद्धि की कामना करेंगे। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर व पुष्पमाला पहनाकर पदयात्रियों को विदाई दी गई।

27 दिसम्बर, शुक्रवार को शहर में शोभायात्रा निकली। शुरुआत नरसिहघाट गली जनकूपुरा स्थित नाहसिंह माता मंदिर में पूजन आरती से हुई। सांवरियो है सेठ म्हारी राधा जी सेठानी है ,छोटी छोटी गईया छोटे छोटे ग्वाल, मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है जैसे सुमधुर भक्ति गीतों की बैंड की धुन पर ढोल नगाड़ों के साथ झूमते नाचते ध्वजा लहराते युवा सांवरिया जी के लिये पैदल निकले। पद यात्री अजय मित्तल ने बताया कि विगत 7 वर्ष से निरंतर पदयात्रियों का जत्था सांवरियाजी दर्शन हेतु जाता है। पहला पड़ाव मल्हारगढ़, दूसरा नीमच व तीसरा निम्बाहेड़ा विश्राम कर यात्री सांवरिया सेठ पहुंचते है। 7 लोगों से शुरू हुआ यह क्रम प्रतिवर्ष बढ़ता जा रहा है।

जगह-जगह हुआ स्वागत- गणपति चौक में जलेश्वर महादेव मंदिर पर श्रद्धालुओं ने स्वागत किया, तत्पश्चात् रामटेकरी चौराहे पर गोवर्धन परिक्रमा दल से स्वागत किया। उसके पश्चात् पदयात्रियों ने खाटूश्यामजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। यहां से शोभायात्रा जैन कॉलेज के सामने पराक्रमी बालाजी पहुंची जहां आशीष नीमा मित्र मण्डल मण्डल ने ढोल ढमाकों व भव्य पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कृषि उपज मण्डी के बाहर मण्डी व्यापारियों द्वारा पदयात्रियों का स्वागत किया।

ये पदयात्री हुए शामिल- यात्रा में अजय मित्तल, दीपक सोनी, प्रकाश लोहार, चिराग माली, खुशालसिंह पंवार, तुषार माली, प्रद्यूम कुमावत, राहुल माली, अविनाश माली, कान्हा सोनी, प्रकाश सोनी, शुभम राठौर, गोपाल राठौर, नरेन्द्र भैया, विशेष भया, नितिन शर्मा, नीलेश कुमावत, राजेश गायरी, मंगल ठाकुर, राजू पंडित, रचित अग्रवाल, महेश लौहार, लखन माली, नरेन्द्र भैया, वंश पुरोहित, ऋषभ, राहुल, कैलाश, मांगीलाल, शुभम आर्थर आदि रवाना हुए।

गुजराती सेन समाज नगर इकाई के निर्वाचन हेतु बैठक आज

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गुजराती सेन समाज नगर इकाई मंदसौर के निर्वाचन हेतु एक बैठक का आयोजन आज 28 दिसंबर, शनिवार को सायं 5 बजे नगर पालिका सभागृह में आयोजित की गई है। जिसमें चुनाव के संदर्भ में विभिन्न निर्णय लिए जाएंगे। समाज जिलाध्यक्ष जितेन्द्र गेहलोद, नगर अध्यक्ष प्रहलाद परिहार, नगर युवाध्यक्ष दयाराम चौहान ने बताया कि गुजराती सेन समाज नगर इकाई मंदसौर का कार्यकाल पूर्ण हो चुका है अत: चुनाव कर नवीन संगठन की कार्यकारिणी का गठन किया जाना प्रस्तावित है। सभी समाज बंधुओं और नगर के प्रमुख समाजसेवियों से अनुरोध है, कि उक्त बैठक में सामाजिक एकता ,समरसता और एकत्व की भावना के साथ मिलकर नगर में एक सशक्त संगठन बनाने हेतु पहल की जावेगी। अत: मंदसौर नगर में निवास रत समस्त सेन बंधुओ की उपस्थिति अनिवार्य है। उक्त बैठक में नगर के समस्त सेन परिवार के एक मुखिया की उपस्थिति अनिवार्य है। सभी बढ़ चढ़कर भाग ले और सामाजिक एकता को का परिचय दें।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालकृष्ण पाटिल का निधन

मुक्तिधाम पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों व समाजसेवियों ने दी श्रद्धांजलि, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सहित कांग्रेस नेताओं ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस पार्टी में हमेशा से सक्रियता से कार्य करने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता बालकृष्ण पाटिल जी आज हमारे बीच में नहीं रहे। वह सभी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते थे। उनका जीवन संघर्षमय रहा। उन्होंने पूरे जीवन काल में दीन दुखियों की सेवा की।

राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, मंदसौर विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन, जिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष प्रकाश रातडिया ,समाजसेवी गुरुचरण सिंह बग्गा, वरिष्ठ अभिभाषक मोहन सिंह चौहान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक दशरथ सिंह झाला, कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह गुर्जर, रविंद्र सिंह रांका, सकल जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष विमल पामेचा, कांग्रेस जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह रघुवंशी, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष कांतिलाल राठौर, अजय लोढ़ा,मनोज भाचावत, विक्रम विद्यार्थी, इंटक कांग्रेस की ओर से गोपाल गुरु,अभिभाषक राजकुमार गुप्ता,कांग्रेस नेता तरुण खींची,मनजीत सिंह टुटेजा,अनिल शर्मा, सागरमल मेहता,जगदीश गुर्जर,अशोक दांगी,अरविंद जेन,देवेंद्र मरच्च्या, डॉ ताज मंसूरी आदि ने शोक सभा में अपनी अपनी ओर से श्रद्धांजलि दी। अंतिम यात्रा उनके अंशुल विहार निवास से निकली जहां पर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मन्दसौर की ओर से उन्हें कांग्रेस पार्टी का ध्वज समर्पित कर अंतिम बिदाई दी गई। उनकी शव यात्रा भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत, वीरेंद्र पंडित,रमेश ब्रिजवानी, अमित छाबड़ा,चंद्रमोहन भगत,राजीव गुलाटी,हिम्मत जैन,मयंक मावर सहित बड़ी संख्या में स्नेहीजन शामिल हुए। शोक सभा का संचालन शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी सहित कांग्रेस नेताओं ने श्री पाटिल के निधन पर शोक व्यक्त किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री बालकृष्ण पाटिल के निधन पर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन,पूर्व मंत्री जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी जयवर्धन सिंह,पूर्व मंत्री सुभाष कुमार सोजतिया, पूर्व प्रभारी अर्चना जायसवाल, सह प्रभारी हेमंत सिंह चौहान, कांग्रेस विधायक डॉ आरके दोगने, विक्रांत भूरिया,महेश परमार ने अपनी ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त की है।

एडीएम श्रीमती गामड़ द्वारा दो ट्रक एवं 26 नग गौवंश राजसात का आदेश

नीमच, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। एडीएम श्रीमती लक्ष्मीी गामड़ द्वारा पुलिस थाना जावद के अपराध क्रमांक-399/2024 एवं धारा 4,9(1), 6, 6क, 6ख, 9(2) म.प्र. गौवंश वध प्रतिशेध अधि.2004, म.प्र.कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम 1959 एवं म.प्र.पशु क्रुरता अधिनियम के प्रकरण में 26 दिसम्बकर 2024 को आदेश पारित कर, जप्तए अशोक लिलेण्डक ट्रक वाहन क्रमांक-पीबी03बीपी6994 एवं ट्रक वाहन क्रं.-पी.बी.10एचजेड3613 तथा उसमें क्रूरतापूर्वक परिवहन कर ले जाए जा रहे कुल 26 नग गाय(गौवंश) को मध्यलप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध नियम के तहत शासन हित में राजसात करने का आदेश जारी किया है।

कालजयी अमर कवि अटल बिहारी वाजपेयी सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत-कपूर

मनासा, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री कवि अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100 वीं जयंती.. जन्म शताब्दी पर मैन ऑफ़ टाइम-विश्व. सुरक्षा अभियान..अंतर्राष्ट्रीय सदभावना मंच के तत्वावधान में 139 वाँ आयोजन : एक शाम - भारत रत्न कवि अटल बिहारी वाजपेयी के नाम.. सेमिनार-कवि सम्मेलन और सम्मान समारोह संस्थापक-अध्यक्ष कवि संदीप कपूर वक़्तनाम की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने 25 दिसंबर शाम 07 बजे अंतर्राष्ट्रीय पटल गूगल मीट पर जय भारत - जय जगत उदघोष और गुरु वंदना से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने अटल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए नमन गीत गाया।

'कवि अटल बिहारी वाजपेयी भारत की शान। उन्हें शत्-शत् नमन.. और है उनका सम्मान।।' गणेश वंदना डॉ कृष्णा सिंह ने और स्वागत गान कवयित्री ब्राह्मी कपूर एवं कवयित्री विश्वांगी कपूर ने किया। उदघाटनकर्ता रेल मंत्रालय भारत सरकार ईस्टर्न रेलवे मालदा पश्चिम बंगाल के एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद, मुख्य अतिथि कवि-साहित्यकार रिटायर्ड एडीएम डॉ शारदाचरण, विशिष्ट अतिथि हिंदी दैनिक समाचार पत्र गुरु एक्सप्रेस के वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा, भारत सरकार मालदा रेलवे राजभाषा विभाग के वरिष्ठ अनुवादक विद्या सागर, महासचिव समाजसेवी संध्या कपूर, संरक्षक अध्यापक ब्रजेश कुद्ध प्रसाद गौरव, ई अजीत कुमार सिंह, कार्यक्रम निर्देशक डॉ कृष्णा सिंह और कला निर्देशक डॉ तृप्ति कुमारी तान्या ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की 100 वीं जयंती पर सभी को शुभकामनाएं दी। सेमिनार में कवि संदीप कपूर वक्तनाम ने कहा कि कालजयी अमर कवि अटल बिहारी वाजपेयी सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत एक बहुआयामी मानव थे। कवि सम्मेलन में एडीआरएम कवि शिव कुमार प्रसाद, कवि अभय कुमार, डॉ कृष्णा सिंह, डॉ तृप्ति कुमारी तान्या, कवि सुयश श्रेयस ने अपनी कविता-गीत-ग़ज़ल की शानदार प्रस्तुति दी। सम्मान समारोह में प्रबुद्ध साहित्यकार-पत्रकार और समाजसेवी बंधुओं को उत्कृष्ट योगदान के लिए 'राष्ट्र नायक अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति सम्मान-2024' प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

छ: दिवसीय स्किल एक्सीपोजर विजिट कर वापस लौटे विद्यार्थी

नीमच, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल शिक्षा विभाग, लोक शिक्षण संचालनालय नवीन व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत स्किल एक्सपोजर विजिट, अहमदाबाद के तहत नीमच जिले के दो विद्यार्थी रोहित, ट्रेड इलेक्ट्रॉनिक एंड हार्डवेयर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पड़दा व फरहान, ट्रेड इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अठाना एवं एक व्यावसायिक प्रशिक्षक श्री अर्पित जोशी एवं श्री राजेश कुमार मलिक छ: दिवसीय भ्रमण कर, वापस नीमच लौटे है। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों से वार्तालाप करने पर विद्यार्थियों ने बताया, कि यह भ्रमण उनके लिए बहुत ही लाभकारी रहा।

दमामी समाज का दो दिवसीय क्रिकेट टूनामेंट आज से

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दमामि समाज द्वारा समाज की खेल प्रतिभाओ को आगे बढ़ाने के लिए 28 व 29 दिसम्बर को दो दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन मंदसौर मे होने जा रहा है।दमामि समाज के अध्यक्ष प्रहलाद पंवार द्वारा बताया गया कि मंदसौर शहर के चंदरपुरा स्थित पशुपतिनाथ अतिथि ग्रह के समीप दो दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूनारमेंट मे शनिवार व रविवार को आयोजित होगा। प्रतियोगिता के लिए मैदान मे तैयारियां की जा रही है। जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से 12 टीमे भाग ले रही है।नागदा, बेटमा, कुशलगढ़, रतलाम, आलोट, कांडरवासा, बड़वन सहित पुरे प्रदेशभर से दामामि समाज से टीम मंदसौर मे क्रिकेट खेलेगी। इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ शनिवार 28 दिसम्बर को को दोपहर 1 बजे होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर,नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता चावला,भाजपा नेता भानुप्रताप सिसोदिया,विक्रम कनेरिया(बांसुरी वादक)व आदि जनप्रतिनिधिगण सम्मिलित होंगे। व अंतिम दिन रविवार को दमामि समाज की जो भी टीम जीतेगी। उन्हें 11000 का प्रथम, 5100,द्वितीय व तृतीय पुरुस्कार से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जायेगा।मौसम के अनुसार टूनामेंट कार्यक्रम के समय व दिन मे बदलाव किया जा सकता है।

दफनाए शव को निकाल कर बंसल और सहयोगियों ने किया मृतक का अग्नि संस्कार

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। समाज सेवी और पार्षद सुनील बंसल ने एक और निराश्रित और निर्धन व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया। सेवा बैंक से भोजन लेकर जाने वाले राजू भाई पेंटर जिनको दिनांक 24 दिसम्बर को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। कृषि उपज मंडी के पास से राजू भाई की इलाज के दौरान मत्यु हो गई थी।

उनके शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम कर दफना दिया था परंतु जब उसके कुछ जानने वालों ने बताया कि प्रतिदिन सुचित्रा टॉकीज के पास बाहर कंपाउंड में सोता था। दो दिन से वहां नहीं आया तो उन्हें कुछ शंका हुई। उसके एक दिन पहले ही श्री बंसल ने एक दाह संस्कार किया था राजू के जानने वालों ने बंसल से पूछा कि आपने एक व्यक्ति का दाह संस्कार किया क्या श्री बंसल ने उन्हें बताया मैंने तो महिला का दाह संस्कार किया है तो उन्होंने पुन: आस पास तलाश की और जब पुलिस ने फोटोग्राफ्स दिखाए तो उसकी पहचान राजू यादव के नाम से हूई। उसके बाद यादव समाज के अध्यक्ष हेमंत यादव एवं लखन चुडेलिया के सहयोग से सभी ने मिलकर उसके शव को उत्खनन कराया। मृतक के बड़े भाई की लड़की भी उसे समय वहां मौजूद थी। मुक्तिधाम पर हिंदू रीति रिवाज के अनुसार उसे अंतिम विदाई दी गई। मुखाग्नि उनकी भतीजी को साथ लेकर सुनील बंसल, हेमंत यादव और लखन चुडेलिया(कहार), महेश चौहान, अक्षय खाबीया, राकेश बालवानी, भोला धनगर आदि साथियों ने दी।

स्कूली विद्यार्थियों के प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम31 तक होगें

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वनमंडलाधिकारी द्वारा बताया गया कि वन विभाग एवं म.प्र. ईको पर्यटन विकास बोर्ड, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किये जाने वाले स्कूली विद्यार्थियों के प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम अनुभूति के इस वर्ष के शिविरो का आयोजन वन विभाग मन्दसौर द्वारा 31 जनवरी 2025 के मध्य किया जा रहा है। वनमण्डल मन्दसौर अंतर्गत कुल 10 शिविरों का आयोजन किया जाना है। जिसमें वनमण्डल मन्दसौर के 05 परिक्षेत्रों में प्रति परिक्षेत्र 02 शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रति शिविर शासकीय विद्यालयों के 126 प्रतिभागीयों को शिविर में शामिल किया जायेगा। इस प्रकार अनुभूति कार्यक्रम में शासकीय विद्यालयों के लगभग 1260 प्रतिभागी सम्मिलित होंगे। अनुभूति कार्यक्रम के दौरान सर्वोच्चतम जीव बाघ, चीता एवं तेंदूरों के बारे में अधिक जागरूक करने एवं जंगलो को बचाने एवं पारिस्थितिकीय तंत्र के संतुलन में बाघ की महत्वपूर्ण भूमिका से परिचय कराने के उद्देश्य से इस वर्ष की थीम 'मैं भी बाघ' और 'हम है बदलाव रखी गई है।

वनमण्डल मन्दसौर अंतर्गतभानपुरा परिक्षेत्र में 25 एवं 26 दिसम्बर 2024 को ताखाजी हिंगलाजगढ़ वनक्षेत्र में, गांधीसागर अभ्यारण्य पश्चिम में 27 एवं 28 दिसम्बर 2024 को टपकुडी वनक्षेत्र में, गांधीसागर अभ्यारण्य पूर्व में 30 एवं 31 दिसम्बर 2024 को धांगा वनक्षेत्र में, मन्दसौर परिक्षेत्र में 08 एवं 10 जनवरी 2025 को धुंधलेश्वर महादेव रेवास देवड़ा में, गरोठ परिक्षेत्र में 16 एवं 17 जनवरी 2025 को धर्मराजेश्वर (बौद्ध गुफाएँ) वनक्षेत्र में अनुभूति शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

संकट में सहयोग करें वही सच्चा मित्र होता है-पंकज कृष्ण महाराज

नीमच, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। हमारे जीवन में जब संकट आता है उस समय जो सहयोग करता है वही सच्चा मित्र होता है। जिस प्रकार गजेंद्र मोक्ष के प्रसंग में मगरमच्छ द्वारा हाथी का पांव पकड़ लिया था जब हाथी के प्राण संकट में थे तब हाथी परमात्मा को पुकारता है और तब परमात्मा हाथी के जीवन की रक्षा करते हैं।इसलिए सुख के समय भी हम भगवान की भक्ति निरंतर करते रहे तो परमात्मा दु:ख की घड़ी में हमारा साथ देते है।इस प्रंसग से हमें शिक्षा मिलती है। कि संकट की घड़ी में हमें कभी घबराना नहीं चाहिए ।संकट का हंसकर मुकाबला करना चाहिए। तभी जीवन सुखमय होता है।यह बात पंकज कृष्ण महाराज ने कहीं। वे आप और हम प्रेमी जन मंडल के तत्वावधान में स्पेंटा पेट्रोल पंप के पीछे श्री शनि देव मंशा पुर्ण महादेव मंदिर इंदिरा नगर में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दान देने से धर्म चल रहा है। दान बंद करेंगे तो धर्म नष्ट हो जाएगा। दया सत्य तप नष्टहोने की कगार पर है। कृष्ण भगवान प्रेम के भूखे थे ।उन्होंने विदुर रानी के केले के छिलके नहीं खालिए थे।उन्होंने अजामिल प्रसंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कलयुग में सिर्फ राम नाम जपने मात्र से ही मुक्ति हो जाती है।जड़ भरत के प्रसंग से यह शिक्षा मिलती है कि अंत समय में जैसे मति होती है वैसे ही हमारे आत्मा की गति होती है।इसका अर्थ यह है कि अंत समय में प्रभु स्मरण से ही मुक्ति हो सकती है।भक्त प्रहलाद चरित्र से यह शिक्षा मिलती है कि भक्ति की शक्ति से निर्जीव वस्तुओं से भगवान प्रकट हो सकता है।गजेंद्र मोक्ष की कथा से हमें यह शिक्षा मिलती है कि आत्म समर्पण कर के ही भगवान प्राप्त हो सकते हैं ना कि अभिमान से।भगवान श्रीराम का चरित्र धारण करने योग्य है।मन की सोच ही बंधन और मुक्ति का कारण होती है। मन के जीते जीत होती है। मन के हारे हार होती है। इसलिए मन को पवित्र रखना चाहिए। तभी जीवन में सफल हो सकते हैं। भागवत कथा एकाग्रता पूर्वक सेवन करें तभी उसका जीवन में लाभ मिल सकता है। जीवों को मारना पाप होता है इसलिए जीव दया करते हुए किसी भी प्राणी को नहीं मारना चाहिए। मांसाहार से पाप होता है इससे सदैव बचना चाहिए। मांसाहार में कुरुर्ता के भाव आते हैं। जीव हत्या के पाप का जो परिणाम होता है उससे कोई भी नहीं बच सकता है। घोड़े और बकरे की बली अर्थ यह होता है कि हमारे अंदर जो अभिमान और ममता है उसका त्याग करना है। शाकाहार में दया के भाव रहते हैं। मानव की सुंदरता कपड़ों से नहीं होती ।मानव की सुंदरता उसके संस्कारों और चरित्र से होती है।बच्चों के सामने मोबाइल का उपयोग नहीं करना चाहिए। क्योंकि बच्चे जैसा देखते हैं वैसा सीखते हैं यदि बच्चों में संस्कार अच्छे लाना है तो हम भी अच्छे संस्कारों के साथ जीवन जीए तभी हमारे बच्चे अच्छे संस्कार सीख सकेंगे। मानव जीवन में कर्म अच्छे हो तो पाप और पुण्य का अंतर करना आ जाता है। पृथ्वी पर जब-जब धर्म की हानि होती है भगवान अवतार लेते हैं। भक्त प्रहलाद ने नारायण की भक्ति को नहीं छोड़ा तो भगवान ने भक्त प्रहलाद को पहाड़ से गिराने तथा समुंद्र में गिराने पर प्राणों की रक्षा की थी।अच्छे कर्म करे तो हमारे बुरे भाग्य को भी अच्छे में बदल सकते हैं । सत्यवती ने निष्ठा के साथ पतिव्रत धर्म का पालन किया तो अपने पति की मृत्यु के बाद यमराज से लड़कर वापस अपने पति को जीवित कर प्राप्त कर लिया था।मनुष्य जीवन में भवसागर से पार होने के लिए हमें अच्छे पुण्य कर्मों पर ध्यान देना चाहिए समय परिवर्तनशील है ।समय एक जैसा नहीं रहता है। समय बदलता रहता है ।दु:खआता है तो सुख भी आता है ।रात आती है तो दिन भी आता है। सुख हो या दु:ख यह समय नहीं रहेगा।

सम्मान, गरिमा का द्योतक है

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सम्मान , अच्छे कार्यों की स्वीकृति होकर व्यक्ति की प्रसंशा का परिचायक है । अच्छी उपलब्धि व हितकारी कार्य करनेवाले के कार्य का एक सकारात्मक मूल्यांकन होता है। अपने अपने क्षेत्रों में उपलब्धि हांसिल करने या विशिष्टकार्य करने पर सभी प्रकार की संबंधित संस्थाएं, संगठन , या प्रकल्प उपलब्धि प्राप्त कर्ता का व्यक्तिगत या उससे जुड़े समूह का सम्मान - अभिनंदन करते हैं। जैसा की हम आए दिन देखते हैं। सार्वजनिक या सामाजिक रूप से यह सम्मान दोनों ओर के वातावरण में एक प्रकार से उत्साह का संचार करता है। सम्मान देने वाला जितना महत्वपूर्ण कार्य करता है उससे अधिक सम्मान प्राप्त कर्ता का उत्साह वर्धन होता है ।उसने जो कार्य किया है सम्मान देने वालों की उसके प्रति निष्ठा व सकारात्मक दृष्टिकोण प्रकट होता है जो अन्यों के लिए भी प्रेरक होता है। उनमें भी अपने कार्य के प्रति लगन व उत्साह पैदा करता है। सम्मान, दोनों पक्षों में आत्म विश्वास बढ़ाता है इसलिए सम्मान करना हमारे यहां की संस्कृती - परंपरा है।

सामाजिक हित , राष्ट्र हित , विशेष क्षेत्र या विशेष सेवा के क्षेत्र में किये गये कार्य , प्राप्त की गई उपलब्धि या किये गये त्याग , जो समाज - देश व उस क्षैत्र को गौरव प्रदान करे , मानव जाति का भला करे , मार्ग दर्शन करे अन्यों के लिए आदर्श ल प्रेरक बने ऐसे व्यक्तित्व को चुनकर संस्था ,संगठन , समाज, देश स्तर से लेकर विश्व स्तर तक सम्मान की परंपरा है व विशेष अवसरों पर सार्वजनिक रूप से सम्मान के लिए सम्मान समारोहों का आयोजन किया जाता है।

समाज सेवा के क्षेत्र में कुछ व्यक्ति मौन रहकर कार्य करते हैं ,ऐसे व्यक्ति जो उचित होता है वैसा करते हैं करते जाते हैं वे किसी को बताते नहीं , अपने कार्य के अतिरिक्त समय में से समय निकालकर भला कर सकने योग्य होता है, भले लोग भला करने में लग जाते हैं। कुछ जीवन पर्यन्त भले कार्य को अपना लेते हैं। जो ऐसे व्यक्तियों व उनके कार्य - व्यक्तित्व की परख करते हैं वे उन्हें प्रकाश में लाते हैं। मीडिया के माध्यम से या अन्य सम्मान करने योग्य संस्था को बताकर उनके महत्व को प्रकट करते हैं सम्मान प्रदान करने के माध्यम से। कुछ व्यक्ति या संस्थाएं मेवा के लिए सेवा करते हैं ताकि अधिसंख्य लोग उनकी सेवा को ध्यान में रखकर उसको जाने - पहचाने व राजनीति में पद प्राप्ति का अवसर आने पर सेवा कार्य को भुनाकर पद प्राप्त कर सकें व सेवा का स्थायी पारिश्रमिक प्राप्त कर सकें। ऐसे में दूसरे भी उनकी सिफारिश कर सके कि ये समाज सेवक हैं । ऐसे व्यक्ति सेवा के माध्यम से अपना इन्वेस्ट करते हैं और अवसर आते ही कई गुना भुनाने की तजवीज कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति या संस्थाएं पब्लिसिटी में उच्च दर्जे से बने रहते हैं इस श्रेणी में अधिकांश एन जी ओ और सेवा के बदले लाभ का पद प्राप्त करने वाले लोग आते हैं। उनके कानों में यह लोकोक्ति गूंजती रहती है , ' करेंगे सेवा तो मिलेगा मेवा।' उनके लिए ये जरूरी भी होता है कि वे बताएं कि सेवा के क्षेत्र में उन्हें किया क्या है ? या यों ही वित्त पोषण प्राप्त करते रहते हैं व अपने व्यक्तियों या खुद को सम्मान दिलवाते रहते हैं। कुछ पब्लिसिटी में बने रहने के लिए सेवा कार्य करते हैं उन्हें उसी में मजा आता है ये उनकी जिजिविषा होती है उनके लिए इतना ही पर्याप्त होता है।

सम्मान मानव समाज की गरिमा को बढ़ाते हैं सच्चे व भलों का सम्मान मानवीयता व इंसानियत का सम्मान है। बुद्धिजीवी व सुहृदयी व्यक्ति व समाजों की यही पहचान है। नि: स्वार्थ भाव से की गई सेवा को समाज याद रखता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं कि नि: स्वार्थ भाव से सेवा करने वालों को कभी कभी शंका की दृष्टि से देखने लगे जाते हैं व उन पर उंगली उठाने लग जाते हैं। ऐसे में यह बहुत जरूरी होता है कि पूरी बात जानें उसकी तह तक जाएं , परखें फिर धारणाएं बनाएं । अनुचित धारणा बनाने से मानवीय भावना कुंद होती है उसे हानि पहुंचती है । इन सब से हटकर सुलक्ष्य की प्राप्ति के लिए सुपथ पर चलकर अच्छे लक्ष्य की प्राप्ति जो अपनी व सबकी गरिमा बढ़ाए जो समाज में उत्साह जागृत कर प्रेरणा प्रदान करे सम्माननीय होता है। दबंगई व ताकत के बल पर सम्मान पाना अलग बात है और विनयानवत रह भला कर - उपलब्धि प्राप्त कर सम्मान पाना अलग बात है। सम्मान ,उत्साह -उर्जा गरिमा और सकारात्मकता का प्रेरक होता है। इसलिए सम्मान की परंपराओं से विरत नहीं हुआ जा सकता। भले व अच्छे लोगों का सम्मान होता रहे , नि: स्वार्थ और सच्चे लोगों का सम्मान होता रहे।

भगवती प्रसाद गेहलोत, पिपलियामंडी

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	47	2290	2520
उड़द	45	5500	6840
सोयाबीन	2800	3820	4426
गैहु	12444	2810	3135
चना	56	5300	6361
मसुर	58	5300	6091
धनिया	119	5400	7651
लहसुन	10000	11100	26300
मैथी	276	4300	5800
मुंगफली	1610	4550	5302
अलसी	482	5000	6175
सरसो	163	5015	5715
तारामीरा	2	4500	4580
इसबगोल	66	10000	12800
प्याज	8000	751	2081
कलोंजी	10	14799	18280
तुलसी बीज	1	15100	15100
डॉलर	16	9450	11501
तिल्ली	22	9501	12500
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	2	2500	4560
असालीया	7	9600	143000
चियाबीज	25	10000	15680

कार्यालय कलेक्टर जिला मंदसौर एवं पदेन उप सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग

क्रमांक 2021/रीडर/भू-अर्जन/2024

मंदसौर, दिनाक-18.12.2024
प्रक्र.-0003/अ-82/2024-25

घोषणा

(अंतर्गत धारा 19 भूमि अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन के उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013) (क्रमांक 30 सन 2013)

चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची क्रमांक 1 मंदसौर जिले में दाब युक्त सुक्ष्म एवं वृहद सिंचाई परियोजना के लिए आवश्यक वर्णित भूमि जिसका कृषकवार/व्यक्तिवार सर्वे क्रमांक विवरण अनुसूची (2) में उल्लेखित है।

अतः भूमि-अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्रं.30 सन 2013) की धारा 19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न वर्णित अनुसूची (2) की भूमि की अनुसूची (1) में अंकित सार्वजनिक प्रयोजनार्थ आवश्यकता है।

अनुसूची (1)

ग्राम दोबड़ा तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर

		अर्जित की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टर में		
स.क्रं.	विवरण	सिंचित	असिंचित	कुल
1	ग्राम दोबड़ा	0.382	--	0.382
		0.382	--	0.382

अनुसूची (2)

ग्राम दोबड़ा उपखण्ड मल्हारगढ़ जिला मंदसौर में आने वाली निजी भूमि का विवरणः—

स.क्रं.	प्रभावित कृषक का नाम	खसरा नम्बर	कुल भूमि का रकबा हे.में	प्रभावित भूमि सिंचित हे.में	असिंचित	कुल
1	2	3	4	5	6	7
1	जगदीश पिता गंगाराम नि. ग्राम अरनिया जटिया तह. मल्हारगढ़	464/1	0.020	0.008	--	0.008
2	बसंतीलाल, भंवरलाल, जगदीश पिता गंगाराम, राधाबाई बेवा गंगाराम गायरी निवासी ग्राम अरनिया जटिया	464/1	0.040	0.008	--	0.008
3	जगन्नाथ पिता रामचंद्र गायरी निवासी ग्राम अरनिया जटिया	464/3	0.020	0.008	--	0.008
4	प्रभुलाल पिता रामचंद्र गायरी निवासी ग्राम अरनिया जटिया	464/4	0.020	0.008	--	0.008
5	धापुबाई पति देवीलाल गायरी निवासी ग्राम अरनिया जटिया	466/1	0.620	0.027	--	0.027
6	रामगोपाल पिता भागीरथ निवासी ग्राम दोबड़ा	466/2	0.240	0.027	--	0.027
7	दशरथलाल पिता नाथुलाल ब्राह्मण निवासी ग्राम दोबड़ा	470/1	0.340	0.001	--	0.001
8	मुकेश पिता नाथुलाल ब्राह्मण निवासी ग्राम दोबड़ा	470/2	0.340	0.001	--	0.001
9	सुरेशचंद्र पिता नाथुलाल ब्राह्मण निवासी ग्राम दोबड़ा	470/3	0.350	0.001	--	0.001
10	जगदीश पिता गंगाराम निवासी ग्राम अरनिया जटिया	473/2	0.380	0.036	--	0.036
11	बसंतीलाल, भंवरलाल, जगदीश पिता गंगाराम, राधाबाई बेवा गंगाराम गायरी निवासी ग्राम अरनिया जटिया	473/3	0.380	0.021	--	0.021
12	जगन्नाथ पिता रामचंद्र गायरी निवासी ग्राम अरनिया जटिया	473/4	0.600	0.021	--	0.021
13	मुरीबाई बेवा अमृतराम, बंशीलाल, रमेशचंद्र, कचरीबाई, जसोदाबाई पिता अमृतराम निवासी अरनिया जटिया	468	0.190	0.010	--	0.010
14	देवीलाल पिता भुवान गायरी निवासी ग्राम अरनियाजटिया	474	2.830	0.205	--	0.205
	कुल योग	किता 14	6.370	0.382		0.382

भूमि का नक्शा (प्लान) का अवलोकन कार्यालय भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी उपखण्ड मल्हारगढ़ के न्यायालय में किया जा सकता है।

(अदिति गर्ग)
कलेक्टर, जिला मंदसौर एवं पदेन उपसचिव
म.प्र. शासन राजस्व विभाग

G-20857/24

डा. मनमोहनसिंह को आज श्रद्धांजलि दी जाएगी

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विश्व के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी के निधन पर सर्व समाज व सर्व संगठन द्वारा दिनांक 28 दिसंबर 2024 शनिवार को शाम 4 बजे से 5 बजे तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा के सामने गांधी चौराहा मन्दसौर पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई है। यह जानकारी देते हुए मंदसौर के विधायक श्री विपिन जैन ने मन्दसौर नगर के नागरिक बंधुओं, माता बहनों, सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारी गण, सामाजिक, व्यापारिक, खेल, युवा, छात्र, महिला संगठनों के साथ इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के साथियों से अपील की है कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री डॉ मनमोहनसिंह जी को श्रद्धांजलि हेतु आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पधारें।

मंदसौर जिले में बदला बैंकों का समय

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिले में बैंकों के कार्यालय समय परिवर्तन जो की 1 जनवरी 2025 से प्रभावशील रहेगा के संबंध में कई प्रकार की भ्रांतियां उत्पन्न हो रही है कार्यालय समय निम्नानुसार प्रभावशील रहेगा

समस्त राष्ट्रीयकृत बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा जिला सहकारी बैंक का वर्किंग लेनदेन समय 10:00 बजे से 4:00 बजे तक रहेगा। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया मंडी शाखा तथा भारतीय स्टेट बैंक मंडी शाखा का कार्यालय लेनदेन समय 12:00 से 6:00 तक रहेगा। इसके अलावा समस्त प्राइवेट बैंक अपने पूर्व समय अनुसार ही संचालित होंगे उनके समय में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2024...

राजस्थान और सीआरपीएफ जालंधर सेमीफाइनल में पहुंची

आज होंगे पंजाब पुलिस और तमिलनाडु पुलिस तथा राजस्थान पुलिस और सीआरपीएफ जालंधर के बीच सेमीफाइनल मुकाबले

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर नगर में चल रही स्वर्गीय जितेंद्र सिंह मसराम और स्वर्गीय गौरव गिरवाल स्मृति कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट के चौथे दिन बाकी बचे 2 क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले गए। जिसमें पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला राजस्थान पुलिस और मन फाइटर रतलाम के बीच खेला गया। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला सीआरपीएफ जालंधर और एन एफ ए, नीमच के बीच खेला गया।

यह आयोजन मंदसौर के प्रसिद्ध समाजसेवी और खेल प्रेमी स्वर्गीय विनोद जी गर्ग (भाईसाहब) के मार्गदर्शन से शुरू हुआ था। जिसमें 2022 में राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के आयोजन से शुरुआत हुई, फिर उसके बाद 2023 में आयोजन को और बड़ा बनाते हुए मंदसौर नगर का प्रथम अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित किया गया, जिसमें पंजाब पुलिस विजेता और तमिलनाडु पुलिस उपविजेता रही थी। इस बार आयोजित किया जा रहा अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट इसी कड़ी का द्वितीय संस्करण है। क्वार्टर फाइनल के दूसरे दिन की शुरुआत क्लब के दिवंगतों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि देकर की गई। उसके बाद अतिथियों, खिलाड़ियों, रेफरियों, दर्शकों और आयोजन समिति के सदस्यों ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री मनमोहन सिंह के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। पहले खेला गया क्वार्टर फाइनल मुकाबला जो कि राजस्थान पुलिस और मन फाइटर रतलाम के बीच खेला गया उसके पहले ही मिनट में राजस्थान पुलिस के खिलाड़ी ने रतलाम के खिलाड़ियों की पलक झपकने से पहले ही गोल मारकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। राजस्थान पुलिस रतलाम के उम्र एक के बाद एक गोल मारने के मौके बनाती रही लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। रतलाम के सभी खिलाड़ी राजस्थान पुलिस के खेल के आगे पूरी तरह से बेबस नजर आए। पहले हाफ के 30 मिनट होते ही राजस्थान के एक और खिलाड़ी ने रतलाम के ऊपर एक और गोल मारकर राजस्थान को 2–0 से बढ़त दिला दी। दूसरा हाफ शुरू होते ही फिर से राजस्थान पुलिस के खिलाड़ी ने 5वें मिनट में गोल मारकर स्कोर 3–0 कर दिया। आखिरी समय तक रतलाम के सभी खिलाड़ी गोल मारने के लिए प्रयास करते रहे लेकिन राजस्थान पुलिस के खिलाड़ियों के आगे एकदम लाचार दिखाई दिए। मैच खत्म होने से कुछ समय पूर्व भारी बारिश के दौरान भी मैच चलता रहा। अंत समय तक रतलाम का एक भी गोल नहीं हुआ और राजस्थान पुलिस ने मुकाबला 3–0 से जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच राजस्थान पुलिस के युवराज रहे।

दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला सीआरपीएफ जालंधर और एन एफ ए, नीमच खेला गया। बारिश के बाद मैच ऑफिशियल्स ने मैदान का जायजा लिया और दोनों टीम के कोच, मैनेजर, टूर्नामेंट कमिटी को बुलाकर मैच करवाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मैच शुरू होते ही जालंधर की टीम ने नीमच की टीम पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था, एक और जहां जालंधर के खिलाड़ी कद काठी में लंबे थे वहीं नीमच के खिलाड़ी कद में छोटे पड रहे थे। इसका भरपूर फायदा उठाते हुए जालंधर ने नीमच के ऊपर एक के बाद एक 2 गोल मारकर बढ़त बना ली। आखिरी समय तक नीमच का एक भी गोल नहीं हो सका और सीआरपीएफ जालंधर ने 2–0 से मैच जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जालंधर की तरफ से खिलाड़ी राहुल को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। आज फर्स्ट मैच के रेफरी जिन्होंने मैच संपन्न करवाया उनमें सेंटर रेफरी-शेख कुर्नेन, सहायक रेफरी-पुनीत निर्वाण, सहायक रेफरी-मुकेश टेलसी, फोर्थ रेफरी-शिवा नंदा रहे। मैच कमिश्नर अमित शुक्ल मेहू थे।उसके बाद के दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले के रेफरी जिन्होंने मैच संपन्न करवाया वो इस प्रकार रहे। सेंटर रेफरी-शिवम नंदराज, सहायक रेफरी-अनूप मंडल, सहायक रेफरी-शिवा नंदा, फोर्थ रेफरी-मुकेश टेलसी रहे। इस मैच के मैच कमिश्नर अमित शुक्ला मेहू थे। आज के दिन पहला सेमीफाइनल पंजाब पुलिस और तमिलनाडु पुलिस के बीच दोपहर 01:00 बजे तथा राजस्थान पुलिस और सीआरपीएफ जालंधर के बीच दोपहर 3:00 बजे खेला जाएगा। क्वार्टर फाइनल के दूसरे दिन के मुख्य अतिथि जिला चिकित्सालय से मनोचिकित्सक और ब्लड ऑन कॉल के संस्थापक डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी जी, पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी प्रकाश मूलचंदानी, वरिष्ठक्रिकेट खिलाड़ी श्री आमीन चौधरी क्लब सचिव श्री ईश्वर सिंह चौहान, टूर्नामेंट संयोजक श्री विपिन शर्मा, सुरेंद्र प्रताप सिंह, मुजम्मिल काजी, कमल कंडारे, अंशुल शर्मा, अंकित मंडोवरा, अक्षय उपाध्याय, चरण सिंह, दक्ष गौड़, यश राखेला, अंजू नागोरी, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

180 किलो डोडाचूरा में 2 धराए, 2 फरार

पिपलियामंडी, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस मल्हारगढ़ पुलिस ने पिकअप में गद्दों के बीच 180 किलो डोडाचूरा तस्करी करते एक बाल अपचारी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं दो आरोपी फरार है। मुखबिर की सूचना पर मल्हारगढ़ पुलिस ने झारड़ा-कांचरिया देव फन्टे पर नाकाबंदी कर पिकअप (आरजे 21 जीई 5823) को रोका। तलाशी के दौरान पिकअप में 19 गद्दे भरे थे। इसके नीचे प्लास्टिक के 9 प्लास्टिक कट्टों में भरा 180 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने पिकअप ड्राइवर रोयलाकंला थाना जवर, जिला जोधपुर निवासी गोपाराम पिता भंवरराम देवासी व इसके साथ जोधपुर जिले के एक बाल अपचारी को पकड़ा। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर डोडाचूरा व पिकअप जब्त की। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया उक्त डोडाचूरा वह भाग्नी पिपलिया निवासी राहुल से लेकर नेतड़ा (जोधपुर) निवासी देवाराम पिता फुसाराम देवासी को देने जा रहे थे। पुलिस ने इन दोनों पर भी केस दर्ज कर लिया है।

भांजे को आत्महत्या के लिये मजबुर करने वाली...

मामी को सात साल की सजा

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश श्री मुनेन्द्र सिंह वर्मा, सीतामऊद्वारा आरोपिया सरोजबाई पति अमृतलाल देवड़ा उम्र 32 वर्ष, नि.चमारिया नाका सरस्वती नगर, रतलाम जिला-रतलाम को आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के मामले में दोषी पाते हुए सात वर्ष के सश्रम कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया।

19 मार्च 2020 को सूचनाकर्ता दीपक के द्वारा थाना सीतामऊमें सूचना दी कि मृतक विजय द्वारा अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। उक्त सूचना पर से पुलिस थाना सीतामऊद्वारा मर्ग कायम किया जाकर मर्ग जांच उपरांत आरोपिया सरोजबाई पति अमृतलाल देवड़ा के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध की गयी। प्रकरण की विवेचना के दौरान साक्षियों ने अपनो कथनों में बताया कि मृतक का अपनी मामी सरोज से प्रेम संबंध थे। मृतक विजय अपना पूरा वेतन सरोजबाई को देता था। जब भी मृतक विजय की शादी की बात चलती तो सरोजबाई उसे बोलती थी कि अगर शादी की तो उसे झूठे बलात्कार के केस में फंसा देगी तथा उसे मानसिक रूप से प्रताडित करती थी तथा फोन पर भी धमकिया देती थी। जिससे मृतक विजय मानसिक रूप से परेशान हो गया था तथा सरोजबाई द्वारा उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताडित करने के कारण उसने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। अपर सत्र न्यायाधीश मुनेन्द्र सिंह वर्मा, सीतामऊद्वारा अभियोजन की ओर से प्रस्तुत तथ्यों एवं तर्कों के आधार पर आरोपिया सरोजबाई को आत्महत्या के लिये प्रेरित करने के मामले में दोषी पाते हुए धारा 306 भादवि में 07 वर्ष सश्रम कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक विजय कुमार पाटीदार एवं एडीपीओ एसआर गरवाल द्वारा किया गया।

अगले साल अदालतों में जून की बजाय मई माह में रहेगी छुट्टी

इंदौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। हाईकोर्ट ने अगले साल 2025 की छुट्टी व वर्किंग डे का कैलेंडर जारी किया है। अगले साल तीज, त्योहार की 26 छुट्टियां रहेंगी। गर्मियों की छुट्टी जून की जगह मई में शुरू होंगी। हाईकोर्ट में 21 मई से 15 जून के बीच अवकाश रहेगा। 2024 में गर्मी का अवकाश 1 जून से शुरू हुआ था। 2025 में तीज, त्योहार, रविवार, शनिवार की छुट्टियों को हटा दिया जाए तो 210 दिन कोर्ट का वर्किंग डे होगा। हाईकोर्ट की रजिस्ट्री शनिवार को भी खुलेगी। दरअसल हाईकोर्ट ने 2025 की छुट्टियों का कैलेंडर जारी किया है। इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। कोर्ट के सबसे ज्यादा वर्किंग डे जुलाई में है। जुलाई में 23 दिन कोर्ट खुलेगा। मई व जून में वर्किंग डे कम है, क्योंकि, इस दौरान गरमी का अवकाश रहेगा।

तीज-त्योहार के छह अवकाश हो गए कम...

वर्ष 2024 में तीज-त्योहार, जयंती के 32 अवकाश थे। लेकिन, इस बार कुछ त्योहार रविवार व शनिवार को पड़ रहे हैं। जैसे कि 26 जनवरी रविवार को है। इस तरह 26 जनवरी का अवकाश कम हुआ है। 2025 में तीज-त्योहार के 6 अवकाश कम हुए हैं। तीज व त्योहार के 26 अवकाश मिलेंगे। हाईकोर्ट में तीन शनिवार को वर्किंग डे रखा गया है। बैंच मामलों की सुनवाई करेगी। 2025 में ग्रीष्मकालीन अवकाश के 25 दिन रहेंगे।

अंग्रेजी नए साल को लेकर ठगोरे सक्रिय

सायबर क्रिमीनल एक्टिव, हैप्पी न्यू ईयर के मैसेज से ठगने की कोशिश

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंग्रेजी नए साल के जश्न की तैयारियां के बीच साइबर ठग भी सक्रिय हो गए। वे फर्जी आइडी और न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लुभावने ऑफर्स से ठगी कर रहे हैं। नए साल में अब आज से तीन दिन शेष हैं। जश्न की तैयारियां भी शुरू हो गई है। होटल, रेस्टोरेंट और रिजार्ट ऑफर्स और खास डिस्काउंट दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इसी के साथ साइबर ठग भी सक्रिय हो गए। वे फर्जी आइडी और न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लुभावने ऑफर्स से ठगी कर रहे हैं। जैसे ही आप इनकी साइट पर जाते हैं, ओटीपी आता है, जिसे शेयर करते ही खाता खाली होने लगता है।

एपीके फाइल से रहे सावधान...

साइबर एक्सपर्ट के अनुसार कि नए साल में ज्यादातर लोग बधाई देने फोन करते हैं। इस अवसर को साइबर ठग भी भुनाने में जुट गए। एपीके फाइल बनाकर संदेश भेज रहे हैं। इसमें एक कार्ड को डाउनलोड करने को कहा जाता है। जैसे ही ऐसा करते हैं साइबर ठगी का शिकार हो जाते है। हनी जैकब ने बताया, क्रिसमस पर कई एपीके फाइल के संदेश सोशल मीडिया में वायरल हुए।

गूगल को सर्च कर देखे ऑफर तो आए कई फोन काल...

जश्न की तैयारी के लिए लोकेशन देख रहे समीर फोजदार ठगी का शिकार होते-होते बचे। लोकेशन सर्च करने के लिए गूगल पर सर्च किया। कुछ देर में ऑफर्स के फोन आने लगे। लगातार कई फोन काल आने लगे। एक नंबर ब्लॉक करने पर दूसरे से फोन आए। उस दिन नंबर तक बंद करना पड़ा।

डंपर ने मारी कार को टक्कर, 2 घायल

पिपलियामंडी, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। डंपर ने कार को टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार दो युवक घायल हो गए। सोनगरा निवासी दिनेश ने शुक्रवार को मल्हारगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि हम सांवलियाजी दर्शन के लिए कार (एमपी 14 जेडएफ 9335) से जा रहे थे। कार में दोस्त बूढ़ा निवासी सुनील धनगर व नंदलाल धनगर, काचरिया कदमाला निवासी गोविन्दसिंह, तलाब पिपलिया निवासी राधेश्याम भील थी थे। मल्हारगढ़ में बालाजी मंदिर के यहां नारायणगढ़ मार्ग पर डंपर (आरजे 09 जीए 6934) के ड्राइवर ने टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई, व मुझे हाथ के पंजे व साथी सुनील धनगर को पैर में चोंट आई। पुलिस ने डंपर ड्राइवर पर केस दर्ज किया।

श्री हनुमंत कथा कल से, तैयारियों के लिये घर-घर किया जा रहा है सम्पर्क

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 29 दिसम्बर से 4 जनवरी तक नरसिंहपुरा स्थित कुमावत धर्मशाला में पहली बार श्री हनुमंत कथा का विशाल एवं भव्य आयोजन होने जा रहा है। प.पू. हनुमान चरण सेवक पं. श्री दिलीप व्यास प्रतिदिन दोप. 1 से सायं 4 बजे तक श्री हनुमंत कथा का रसपान करायेंगे। संगीतमय सप्त दिवसीय श्री हनुमंत कथा में अधिकाधिक धर्मालुजनों की उपस्थिति सुनिश्चित हो इसके लिये कथा के आयोजकों द्वारा घर-घर सम्पर्क किया जा रहा है। कथा के प्रचार प्रसार हेतु मथा के आयोजक पेम्पलेट लेकर घर-घर पहुंच रहे है तथा धर्मालुजनों को पेम्पलेट वितरित कर उनसे कथा में पधारने की विनती कर रहे है। कल कथा के आयोजकों की टीम के सदस्य वरदीचंद कुमावत, कैलाश पालीवाल, अंकुश पालीवाल, दिलीप चौधरी, अभिजीत मण्डलोई, भरत ओझा, रविन्द्रसिंह जादोन, किशन पाण्डेय, श्री रामावतजी, जितेन्द्र पाटीदार, श्रीमती पूजा ठाकुर, मीनाक्षी पंवार, रेखा जोशी आदि ने नरसिंहपुरा के नयागांव, जटिया मोहल्ला, वाल्मीकि बस्ती आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया तथा धर्मालुजनों से श्री हनुमंत कथा में पधारने की विनती की।

कल निकलेगी पोथी यात्रा- 29 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे नरसिंहपुरा स्थित श्री राम जानकी मंदिर (बडा चौक मंदिर) से भव्य पौथी यात्रा निकलेगी। यह पौथी यात्रा नरसिंहपुरा कुमावत समाज धर्मशाला पहुंचेगी। दोप. 1 बजे कथा प्रारंभ होगी।

ताल प्रवाह का समापन समारोह संपन्न

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा घोषित तबला दिवस 25 दिसंबर पर लता मंगेशकर शासकीय संगीत महाविद्यालय में आयोजित तबला कार्यशाला 'ताल प्रवाह' का समापन समारोह 25 दिसंबर को संपन्न हुआ। प्राचार्य डॉक्टर उषा अग्रवाल ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार तीन दिवसीय कार्यशाला 23 से 25 दिसंबर 2024 तक आयोजित की गई, जिसमें बनारस एवं लखनऊघराने से संबंधित बहु प्रतिष्ठित कलाकार पंडित पार्थ सारथी मुखर्जी भिलाई छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में 30 तबला विद्यार्थियों ने तबले की सूक्ष्म तकनीक का अध्ययन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, जन भागीदारी समिति अध्यक्ष नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, प्राचार्य डॉक्टर उषा अग्रवाल ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की। तत्पश्चात कार्यशाला में सीखे हुए कायदे ,रेले, टुकडे की प्रस्तुति छात्रों द्वारा की गई ।मुख्य कलाकार के रूप में विषय विशेषज्ञ पंडित पार्थ सारथी मुखर्जी का एकल तबला वादन हुआ, जिसमें हारमोनियम संगतकार इंदौर से श्री दीपक खसरावल और महाविद्यालय से अतुल साकेत रहे। जिसमें उन्होंने बनारस एवं लखनऊघराने की प्रतिनिधित्व करने वाली बंदिशें पेश की, जिन्हें सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हुए। महा विद्यालय की और से आपको मोमेंटो भी प्रदान किया गया। तीन दिवसीय कार्यशाला के प्रमाणपत्र आपने सभी छात्र छात्राओं को वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अल्पना रानी गांधी ने किया।

अभाविप के खेलो भारत प्रांत सहसंयोजक नरसिंह कुमावत नियुक्त

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा प्रांत के अधिवेशन में मंदसौर जिले से खेलो भारत प्रांत सहसंयोजक पद पर नरसिंह कुमावत, एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य महिपाल गौड़, हर्ष पाटीदार एवं निशा जैन को नियुक्त किया गया है। नगर मंत्री विशाल राठौड़ ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मालवा प्रांत का 57वां तीन दिवसीय प्रांत अधिवेशन माँ भादवा की पावन नगरी नीमच में सम्पन्न हुआ। जिसमें परिषद् के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, राष्ट्रीय महामंत्री वीरेन्द्र सौलंकी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतस सुखाड़िया, अ.भा. जनजाति सहप्रमुख निलेश सौलंकी, प्रांत संगठन मंत्री संदीप वैष्णव, मंदसौर विभाग संगठन मंत्री प्रकाश परमार एवं मालवा प्रांत की छात्र शक्ति उपस्थित रही।

कार सवार चार बदमाशों ने दो किसानों को मारपीट कर किया घायल

नकदी व मोबाइल लूट ले गए, पुलिस की नाकामी से बढ़ रहे अपराध

पिपलियामंडी, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। उपज बेचकर आ रहे दो किसनों को चार बदमाशों ने मारपीट कर घायल कर दिया व नकदी व मोबाइल लूटकर फरार हो गए। किसानों को इलाज के लिए मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। नाहरगढ़ क्षेत्र में पुलिस की नामाकी के चलते दिनों-दिन लूट व चोरी की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। जानकारी के अनुसार किशोर पिता सीताराम पाटीदार, निवासी ग्राम सिरपोई थाना सुसनेर जिला आगर मालवा ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि राहुल पाटीदार निवासी सिरपोई का लहसुन अलसी, मैथी तथा नन्दराम पाटीदार निवासी मोडी थाना सुसनेर जिला आगर अलसी, मैथी भरकर कृषि उपजमण्डी नीमच मे बेचने निकले थे। कृषक राहुल पाटीदार के लहसुन कट्टे कृषि उपज मण्डी मंदसौर में रात्रि में उतारे थे तथा राहुल पाटीदार भी मंदसौर कृषि उपज मण्डी में ही उतर गया था। उसके बाद मैं व नन्दराम पाटीदार उसका माल बेचने के लिए नीमच कृषि उपज मण्डी मे पहुंचे थे। नन्दराम पाटीदार का माल उसने नीमच कृषि उपज मण्डी मे बेच दिया था। रात्रि हम नीमच कृषि उपजमण्डी मे ही रुके थे। दूसरे दिन शाम 05.30 बजे मनासा जेतपुरा रोड पर दीप उत्सव की दुकान पर अपनी पीकअप वाहन लेकर पहुचा वहां से मैं अपनी पिकअप मे तेल के डिब्बे व तेल के पाउच की पेटिया (परचुनी माल) भरकर मंदसौर कृषि उपजमण्डी में आया। वहां मुझे राहुल पाटीदार मिला जिसको साथ लेकर डीगाँव होते हुए रुपनी चोपाटी से आगे जोरावरसिंह के खेत के पास पहुंचे तभी पीछे से एक काले रंग की कार बिना नम्बर की आई मेरे पिकअप वाहन को ओवर टेक किया मैने पिकअप रोक दी। काले रंग की कार से चार आदमी लकडिया लेकर उतरे एक व्यक्ति गाडी में ही था। एक व्यक्ति ने मुझे लठ से मारा तथा दो व्यक्तियों ने मेरे पास मे बैठे नन्दराम पाटीदार व राहुल पाटीदार को उतारा उनके साथ मारपीट की नन्दराम पाटीदार नीचे गिर गया बेहोश हो गया। लोगों ने नन्दराम पाटीदार की जेब से नगदी रुपये निकाल लिये तथा राहुल पाटीदार की जेब से 20 हजार रुपए व मेरे पास से 32 हजार रुपए लूट लिए। बदमाशों ने तीनों के मोबाइल व पिकअप की चाबी भी ले ली और भाग निकले। सूचना पर डॉयल 100 पहुंची व घायलपों को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों पर केस दर्ज किया।

पुलिस की नाकामी से बढ़ रहे अपराध:- नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस की नाकामी से लूट की घटनाओं में वृद्धि हो रही है चोरियां भी बढ़ रही है। कुछ दिनों पूर्व कयामपुर में भी व्यापारी की आंखों में मिर्च डालकर लूट की गई। वहीं क्षेत्र चोरों की शरणस्थली बन गया है। नाहरगढ़ टीआई की नाकामी के चलते कभी भी क्षेत्र में स्थिति बिगड़ सकती है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन पर किया दु:ख व्यक्त

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि आरबीआई के गवर्नर , केंद्रीय वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री जैसे दायित्व उन्होंने कुशलता से निभाए। उन्होंने समयानुसार निर्धारित नीतियों से आर्थिक समृद्धि के प्रयासों में सहभागिता की। उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह के शोकाकुल परिवारजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

फसल बीमा के लिये किया जा रहा है जागरूक

मंदसौर, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रभारी उप संचालक किसान कल्याण तथाकृषि विकास विभाग द्वारा बताया गया कि, जिले में रबी मौसम 2024-25 अंतर्गत फसलोंका बीमा का प्रारंभ हो गया है।इसकेक्रियान्वयन हेतु सभी तहसीलों में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी के प्रतिनिधियोंएवं कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर फसल बीमा पाठशाला काआयोजन कर कृषकों को फसल बीमा के हितलाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है। रबीमें अधिसूचित फसलों के लिये कृषक द्वारा देय प्रिमियम राशि गेंहू हेतु रूपये 810, चना हेतु रुपये 582, सरसों हेतु रूपये 376.5, मसूर हेतुरूपये 450, अलसी हेतु 385.5 रूपये प्रतिहेक्टेयर है। फसल बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक निर्धारित की गई है।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अऋणी कृषक अपने संबंधित बैंक/ सहकारीसमिति/सी.एस.सी. द्वारा अथवा कृषक स्वयं भी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल www.pmfby.gov.in पर जाकर ऑन लाईन आवेदन कर सकते है। अऋणी कृषकों को फसल बीमाकरवाने के आवश्यक दस्तावेज बैंक पासबुस, फसल बुवाई प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पावतीएवं बटाईदार किसान या किराये पर ली गई भूमि के लिये मालिक द्वारा शपथ पत्र दियाजाना अनिवार्य है। जिले के किसान भाईयो से अनुरोध है कि प्रधानमंत्री फसल बीमायोजना से जुड़कर योजना का लाभ उठाये।

चक्कज़ाम कर रोड़ बंद करने और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपियों को न्यायालय ने दी जमानत

पिपलियामंडी, 27 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। चक्कज़ाम कर रोड़ बंद करने और शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले आरोपियों को न्यायालय ने दे दी। जानकारी के अनुसार 11 सितम्बर 2024 को सीएमओ नगर परिषद पिपलियामंडी ने थाना प्रभारी को आवेदन दिया था कि आशीष गुप्ता, भरत शर्मा, रामगोपाल गुप्ता, हेमंत शर्मा, दीपक कैथवास, विनोद लोहार, हेमंत उनियारा, प्रदीप माली मुकेश निडर ने मनासा रोड़ पर चक्कज़ाम कर रोड़ अवरुद्ध कर दिया, जिससे निकलने वाले वाहनों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ा और नगर परिषद के खिलाफ नारेबाज़ी भी की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश होने का निर्देश दिया। सभी ग्यारह आरोपी गुरुवार को न्यायालय में पेश हुए जहाँ न्यायालय नारायणगढ़ ने सबको जमानत दी। आरोपियों की ओर से पैरवी अधिवक्ता कैलाशचंद्र चौधरी व धीरज दशोरा ने की।

✲ उठावना ✲

हमारे अग्रज बड़े भैय्या साहब

श्री बालकृष्ण आत्मज स्व. राधाकृष्णजी पाटिल मंदसौर का गोकुलधाम प्रयाण दिनांक 26 दिसम्बर 2024 गुरूवार को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 28 दिसम्बर 2024 शनिवार को प्रात: 11 बजे संजय गांधी उद्यान स्थित पं. मदनलालजी जोशी भागवताचार्य सभागृह में रखा गया है।

शोक की बैठक- प्रतिदिन सांय 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगी।

✲✲✲ शोकाकुल ✲✲✲

गोपालकृष्ण, नवकृष्ण पाटिल पूर्व विधायक, रमेशचन्द्र, हर्षवर्धन, आदित्य, महेंद्र,सतीश, राजेश, ब्रजेश, संजय, राजवर्धन तथा समस्त पाटिल परिवार मंदसौर, ग्राम लुहारी शेख एवं भीलवाड़ा

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गांधीनगर मंदसौर स्थित भवन क्रमाक MIG.II.05 जो की श्री श्यामा प्रसाद जोशी पिता श्री कृष्ण वल्लभ जोशी को मण्डल आदेश क्रमांक 4599 दिनांक 24.09.2001 को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 26.05.2006 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में निष्पादित किया गया था। श्री श्यामा प्रसाद जोशी पिता श्री कृष्ण वल्लभ जोशी द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमति ज्योति चौधरी पति स्व. श्री राजेंद्र कुमार चौधरी एवं श्रीमति सोनिया गुप्ता पति श्री दिलीप कुमार गुप्ता को कर दिनाक 06.06.2023 को भवन का विक्रय पत्र उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित करवा दिया है। विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण संयुक्त रूप से श्रीमति ज्योति चौधरी पति स्व. श्री राजेंद्र कुमार चौधरी एवं श्रीमति सोनिया गुप्ता पति श्री दिलीप कुमार गुप्ता अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन निंाक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण संयुक्त रूप से श्रीमति ज्योति चौधरी पति स्व. श्री राजेंद्र कुमार चौधरी एवं श्रीमति सोनिया गुप्ता पति श्री दिलीप कुमार गुप्ता के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

इंदौर के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर त्वचा रोग विशेष एवं डर्मेटोलेजर सर्जन

डॉ. परीक्षित शर्मा

एम.डी. (स्कीन)

शनिवार दिनांक 28 दिसम्बर को शाम 5 से रात 8 और रविवार 29 दिसम्बर को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।

सुविधाएं-✲ चेहरे के कील-मुहासे, चोट व चेहरे के निशान, ऑखों के नीचे कालापन, चेहरे व हाथों का कालापन, ✲ एक्जीमा, सोरियासिस, सफेद दाग का इलाज व सर्जरी, ✲ शरीर पर तिल व मस्सों (Warts) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ गर्भावस्था में होने वाले स्ट्रेचमार्क्स की चिकित्सा, ✲ असमय झड़ते बालों का आधुनिक पद्धति से ईलाज, ✲ शरीर पर टेटू (गोदना) को मशीन द्वारा हटाना, ✲ लेजर मशीन द्वारा अनचाहे बालों से छुटकारा, ✲ बच्चों व बुजुर्गों की त्वचा संबंधित समस्याएं, ✲ नाखुन में होने वाले रोगों का उपचार, ✲ सौन्दर्य परामर्श (Cosmetic Consultation)

करजूवाला कम्पाउण्ड, पमनानी हॉस्पिटल के पीछे, स्टेशन रोड़, मंदसौर सम्पर्क-9424813088

चलो प्रयाग राज महाकुंभ

10 जनवरी श्री महादेव तीर्थ यात्रा मंदसौर द्वारा किराया मात्र 8501/- स्लीपर बस द्वारा

✲✲✲✲✲✲ संपर्क करें ✲✲✲✲✲✲

महेश परमार 7470433491, 9575987517

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in